डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त

प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

दैनिक यूनिक समय

मथुरा से प्रकाशित

यूनेकॉम एडवरटाइजिंग

श्री कृष्ण जन्माष्टमी की शुभकामनाएं

Sweety BY MR GROUP Presents

Unique Samay Update

uniquesamay.com

वर्ष-4 | अंक-190 | सांध्य दैनिक | मथुरा, शुक्रवार, 4 सितंबर 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

पलक-पांवड़े बिछाए ब्रज, आज जन्मेंगे कृष्ण कन्हाई

कान्हा के स्वागत में सजे घर-आंगन गूंजेंगी मंगल बधाइयां

गांव-कस्बों के मंदिरों और आश्रमों में जन्मोत्सव की धूम

यूनिक समय, मथुरा। 'नंद के घर आनंद भयो, जय कन्हैया लाल की'... आधी रात यह बधाई गूंजेगी और पूरा ब्रज कान्हा के जन्म की खुशियों में झूम उठेगा। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का उल्लास ब्रज के गांव, कस्बे और नगरों में अपने चरम पर है। हर घर में लल्ला के जन्म की तैयारी है। कहीं पालना सजाया गया है तो कहीं बाल गोपाल के लिए नए वस्त्र और आभूषण तैयार हैं। घरों से लेकर मंदिरों और आश्रमों तक भक्ति की अलग ही छटा दिखाई दे रही है।

ब्रजवासियों के लिए जन्माष्टमी केवल पर्व नहीं, बल्कि घर के लल्ला के जन्म का उत्सव है। ऐसे में सुबह से हर कोई मगन दिखा। महिलाएं मंगल गीत और सोहर गाने की तैयारियों में जुटी हैं। घरों में पकवान और मिष्ठान, पाग, फलाहार बनाए गए। रात 12 बजे कान्हा के जन्म के साथ ही शंख-घड़ियाल बजेंगे। परिवारजन पालने में बाल गोपाल को झुलाएंगे और एक-दूसरे को जन्म की बधाई देंगे। भगवान को माखन-मिश्री, पंजीरी, पंचामृत और विभिन्न व्यंजनों का भोग लगाया जाएगा। गांव-कस्बों के मंदिरों में भी जन्मोत्सव की विशेष तैयारी है। मंदिरों को फूलों, झालरों और दीपों से सजाया गया है। शाम होते ही भजन-कीर्तन और संकीर्तन शुरू हो जाएंगे। आश्रमों में संत-महात्मा और भक्त अखंड नाम संकीर्तन तथा बधाई गायन करेंगे। मध्यरात्रि में भगवान के प्राकट्य के बाद आरती और प्रसाद वितरण होगा।

कई गांवों में बच्चों को कृष्ण और राधा के स्वरूप में सजाकर झांकियां निकाली जाएंगी। कहीं दही-माखन की मटकी सजाई गई है तो कहीं बाल गोपाल के लिए फूलों से झूला तैयार किया गया है। गलियों में सजी रंगोलियां और घरों पर टिमटिमाती रोशनियां जन्मोत्सव के उल्लास को और बढ़ा रही हैं। मध्यरात्रि की घड़ी नजदीक आते ही हर घर की निगाह घड़ी पर होगी। जैसे ही 12 बजेंगे, बधाइयों, घंटा-घड़ियाल और जयकारों से ब्रज गूंज उठेगा। हर आंगन में एक ही भाव होगा-आज हमारे घर जन्मे हैं नंदलाला।

जन्मस्थान पर आधी रात को जन्मोत्सव

श्रीकृष्ण जन्मस्थान पर रात 11 बजे गणेश वंदना, गर्भ-स्तुति और सहस्रार्चन होगा। मध्यरात्रि 12 बजे श्रीकृष्ण प्राकट्य दर्शन और आरती होगी। इसके बाद 12:10 से 12:30 बजे तक पयोधर महाभिषेक, 12:30 से 12:40 बजे जन्म-महाभिषेक और 12:45 से 12:50 बजे श्रृंगार आरती होगी। शयन आरती रात 1:55 से 2 बजे तक होगी।

श्रीकृष्ण जन्मभूमि पहुंचे योगी कान्हा के दरबार में बरसे फूल

श्रीकृष्ण जन्मभूमि में श्रद्धालुओं पर फूल बरसाते मुख्यमंत्री।

शुक्रवार को जन्मस्थान स्थित गर्भगृह में पूजन करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

योगमाया-केशवदेव मंदिर में पूजन कलाकारों का बढ़ाया मनोबल

जन्माष्टमी पर चांदी से सजे गर्भगृह में किया पूजन

यूनिक समय, मथुरा। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार सुबह श्रीकृष्ण जन्मभूमि मंदिर पहुंचे। मुख्यमंत्री के रूप में यह उनका जन्मभूमि का 20वां दर्शन रहा।

जन्मभूमि पहुंचने पर श्रीकृष्ण जन्मस्थान सेवा संस्थान के पदाधिकारियों ने उनका स्वागत किया।

श्रद्धालुओं पर पुष्पवर्षा, कलाकारों का बढ़ाया उत्साह

जन्मभूमि परिसर में मौजूद श्रद्धालुओं का मुख्यमंत्री ने अभिवादन स्वीकार किया और उन पर पुष्पवर्षा की। उन्होंने देशवासियों को जन्माष्टमी की शुभकामनाएं दीं। परिसर में उज्जैन से आए कलाकार सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दे रहे थे। मुख्यमंत्री ने कलाकारों के बीच पहुंचकर उनका उत्साह बढ़ाया और उनके साथ तस्वीरें भी खिंचवाईं। मुख्यमंत्री करीब 30 मिनट तक जन्मभूमि परिसर में रहे। उनके आगमन को देखते हुए मंदिर परिसर में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे।

मुख्यमंत्री ने सबसे पहले परिसर में गौ-पूजन किया। इसके बाद मुख्य गर्भगृह में बाल स्वरूप भगवान श्रीकृष्ण के दर्शन कर विशेष पूजा-अर्चना की।

जन्माष्टमी पर मुख्य गर्भगृह को चांदी की परत से सजाया गया था। मुख्यमंत्री ने गर्भगृह की साज-सज्जा और लाला के स्वरूप के दर्शन किए। इसके बाद उन्होंने योगमाया मंदिर, केशवदेव मंदिर और भागवत भवन में भी पूजा-अर्चना की। उन्होंने देश-प्रदेश की सुख-शांति और समृद्धि की कामना की।

श्रीकृष्ण जन्मस्थान पर गो पूजन करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

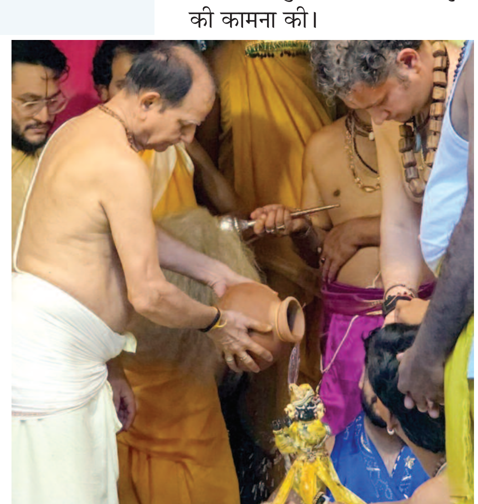

वृंदावन में श्री राधारमण मंदिर में जन्माष्टमी पर ठाकुरजी का अभिषेक करते सेवायत।

जन्माष्टमी पर बांकेबिहारी धाम पहुंचे अफसर, परखी व्यवस्थाएं

शुक्रवार को श्रीबांकेबिहारी मंदिर क्षेत्र का निरीक्षण करते डीएम चंद्र प्रकाश सिंह, एसएसपी श्लोक कुमार।

यूनिक समय, मथुरा। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व के मद्देनजर श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर डीएम चंद्र प्रकाश सिंह और एसएसपी श्लोक कुमार ने शुक्रवार को वृंदावन में बांकेबिहारी मंदिर, प्रेम मंदिर और आसपास के क्षेत्रों का पैदल भ्रमण किया। दोनों अधिकारियों ने श्रद्धालुओं, पर्यटकों, दर्शनार्थियों और परिक्रमार्थियों के लिए की गई व्यवस्थाओं को मौके पर परखा।

अधिकारियों ने स्वास्थ्य, सुरक्षा, यातायात, सफाई, पेयजल, पार्किंग, प्रकाश व्यवस्था और जूता-घर समेत अन्य सुविधाओं का निरीक्षण किया। श्री बांकेबिहारी मंदिर के प्रवेश और निकास द्वारों का भी जायजा लिया गया। मंदिर को जोड़ने वाली प्रमुख गलियों में पैदल भ्रमण कर भीड़ के आवागमन और व्यवस्था की स्थिति देखी। डीएम और एसएसपी ने मंदिर क्षेत्र में श्रद्धालुओं की आवाजाही को सुगम बनाए रखने के लिए संबंधित अधिकारियों से व्यवस्थाओं की जानकारी ली। उन्होंने प्रमुख गलियों में भीड़ प्रबंधन, यातायात संचालन और सुरक्षा इंतजामों को प्रभावी रखने पर जोर दिया। अधिकारियों ने पेयजल, प्रकाश और सफाई व्यवस्था को लगातार बेहतर बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जन्माष्टमी के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने को देखते हुए सभी विभाग आपसी समन्वय से काम करें। किसी भी स्तर पर अव्यवस्था न हो और श्रद्धालुओं को दर्शन के दौरान परेशानी का सामना न करना पड़े, इसके लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

कान्हा की झलक पाने को बेताब श्रद्धालुओं का सैलाब

जन्मभूमि परिसर में सुबह से उमड़ी भक्तों की भारी भीड़

कड़ी सुरक्षा में दर्शन पुलिस और पीएसी ने संभाला मोर्चा

श्रीकृष्ण जन्मस्थान परिसर में मौजूद दर्शन को आए श्रद्धालु।

यूनिक समय, मथुरा। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर शुक्रवार को भगवान श्रीकृष्ण की जन्मभूमि पर आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा। सुबह से ही श्रीकृष्ण जन्मस्थान परिसर और आसपास के क्षेत्र में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ जुटने लगी। देश के विभिन्न राज्यों और दूर–दराज क्षेत्रों से आए भक्त कान्हा के दर्शन की आस में घंटों कतार में खड़े नजर आए। लंबी कतार और भीड़ के बावजूद श्रद्धालुओं के उत्साह में कोई कमी नहीं दिखाई दी।

जन्मभूमि परिसर के आसपास सुबह से ही श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ती रही। हाथों में पूजा सामग्री और चेहरे पर कान्हा के दर्शन की उत्सुकता लिए भक्त अपनी बारी का इंतजार करते रहे। मध्यरात्रि में होने वाले भगवान श्रीकृष्ण के प्राकट्य दर्शन को लेकर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह दिखाई दिया। भक्तों का कहना था कि श्रीकृष्ण जन्मभूमि पर भगवान के दर्शन करना उनके लिए सौभाग्य की बात है।

जन्मस्थान परिसर में भजन–कीर्तन और 'जय श्रीकृष्ण', 'राधे–राधे' के जयघोष से वातावरण भक्तिमय बना रहा। बड़ी संख्या में महिलाएं, बच्चे, युवा और बुजुर्ग कतार में खड़े होकर जन्मदर्शन की प्रतीक्षा करते नजर आए। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए जन्मस्थान परिसर और आसपास के क्षेत्रों में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए। पुलिस और पीएसी के जवानों को प्रमुख प्रवेश मार्गों, कतार वाले क्षेत्रों और संवेदनशील स्थानों पर तैनात किया गया। सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी के लिए अधिकारी लगातार भ्रमण करते रहे। श्रद्धालुओं को व्यवस्थित तरीके से प्रवेश और दर्शन कराने के लिए बैरिकेडिंग की गई। भीड़ बढ़ने पर पुलिसकर्मियों ने व्यवस्था संभालते हुए श्रद्धालुओं को कतारबद्ध रखा। प्रमुख मंदिरों और मार्गों पर पुलिस तथा पीएसी के जवान तैनात किए गए हैं।

मंदिर में इन वस्तुओं के साथ नहीं मिला प्रवेश

श्रीकृष्ण जन्मभूमि में श्रद्धालुओं को मोबाइल, कैमरा, रिमोट की रिंग, थैला, माचिस, बीड़ी, सिगरेट, तंबाकू, चाकू, ब्लेड आदि इलेक्ट्रॉनिक सामान के साथ प्रवेश नहीं दिया गया। श्रीकृष्ण जन्मस्थान सेवा संस्थान ने सामान रखने के लिए जन्मभूमि के सभी संपर्क मार्गों पर सामान घर बनाए थे, जहां श्रद्धालु सामान जमाकर कूपन लेते रहे।

प्रेम मंदिर में सजी पूतना की आकृति लीला का किया गया जीवंत चित्रण

यूनिक समय, वृंदावन। जन्माष्टमी पर्व पर मंदिरों में श्रद्धालुओं को भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं से रूबरू कराने के लिए आकर्षक झांकियां और आकृतियां सजाई गई हैं। प्रेम मंदिर परिसर में पूतना की विशाल आकृति लगाई गई है, जिसमें भगवान श्रीकृष्ण द्वारा पूतना के वध की लीला को दर्शाया गया है।

झांकी में पूतना को जमीन पर लेटे हुए दिखाया गया है, जबकि भगवान श्रीकृष्ण द्वारा उसके अंत का दृश्य प्रस्तुत किया गया है। रंग–बिरंगे वस्त्र, आभूषण और प्राकृतिक सजावट के बीच तैयार की गई यह आकृति श्रद्धालुओं का ध्यान आकर्षित कर रही है। झांकी के माध्यम से भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं और अधर्म पर धर्म की विजय का संदेश देने का प्रयास किया गया है। जन्माष्टमी पर प्रेम मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्र को विशेष रूप से सजाया जा रहा है। दर्शन करने पहुंच रहे लोग झांकी को देखकर भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं को याद कर रहे हैं।

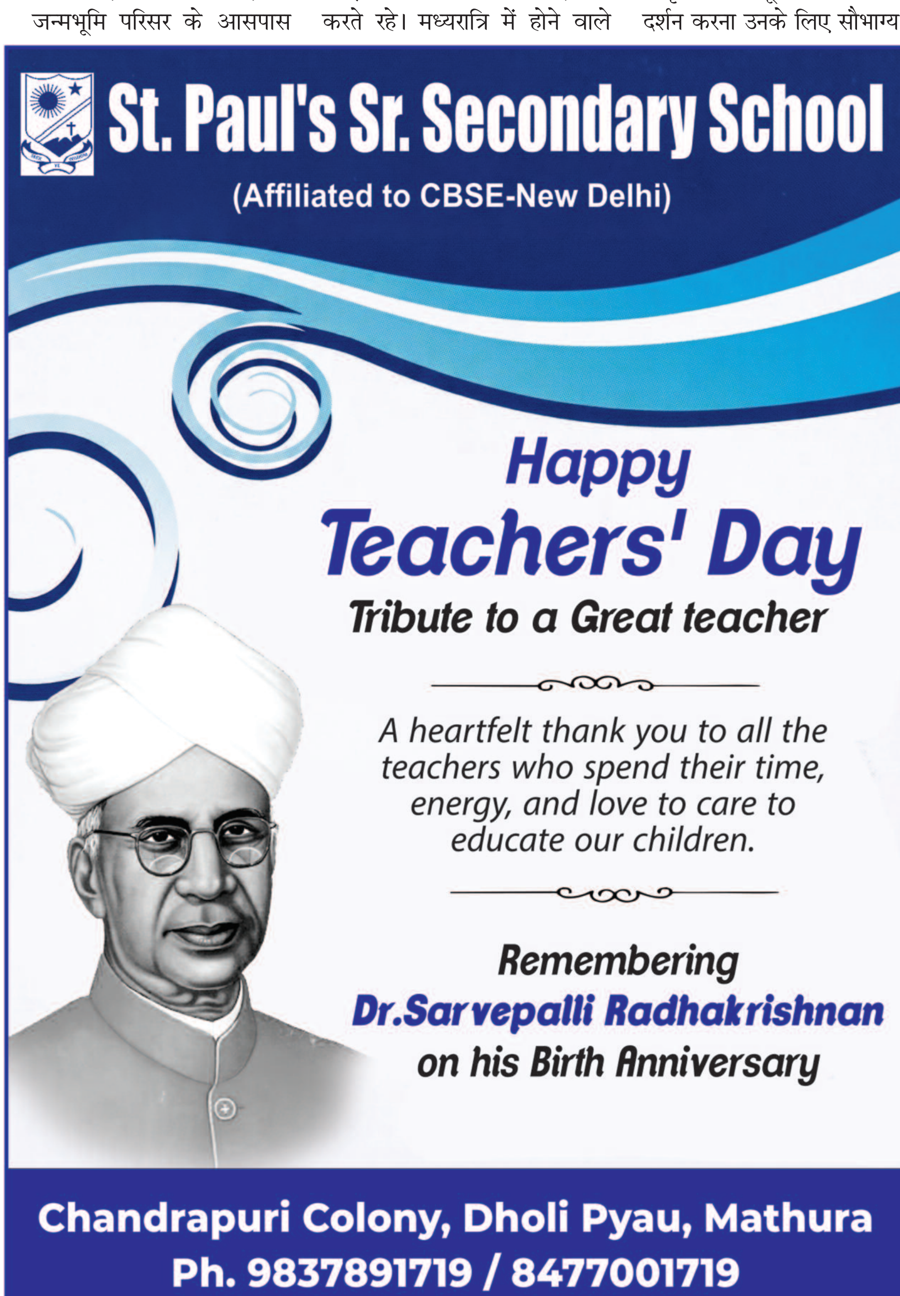

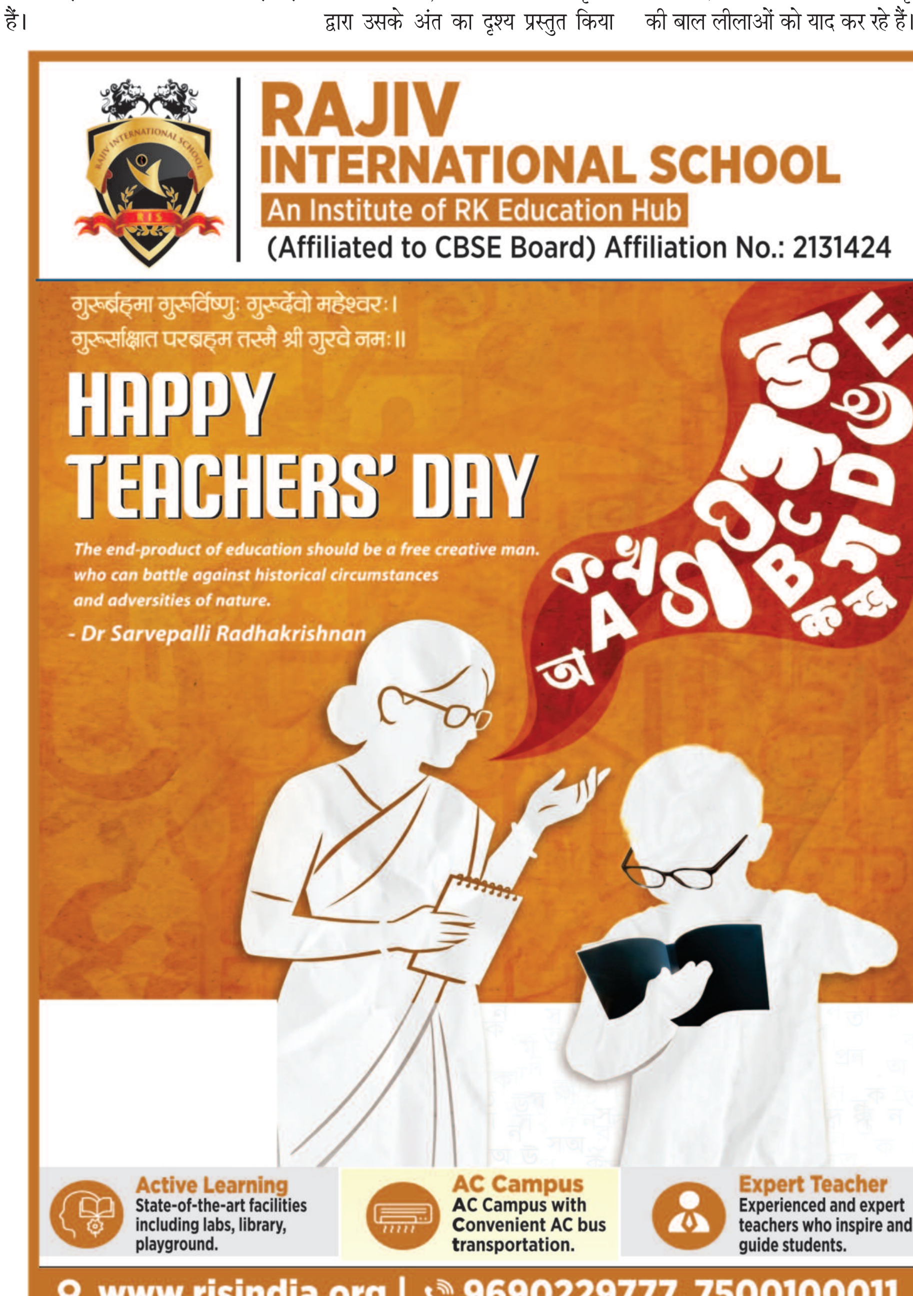

रेल ट्रैक पर बनेगी सड़क खारे पानी से मिलेगी निजात

मथुरा-वृंदावन रेल मार्ग के साथ यातायात के लिए सड़क की योजना

तालाब और वर्षा जल संचयन से भूजल का स्तर सुधारने पर जोर

यूनिक समय, मथुरा। ब्रज के समग्र विकास और श्रद्धालुओं की सुविधा को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद की नौवीं बोर्ड बैठक हुई। गीता शोध संस्थान परिसर में हुई बैठक में मथुरा-वृंदावन के यातायात, जल संरक्षण, परिक्रमा मार्ग, धरोहर संरक्षण और स्वच्छता को लेकर कई महत्वपूर्ण फैसले लिए गए।

बैठक में मथुरा-वृंदावन के मौजूदा रेल मार्ग पर सड़क विकसित करने की योजना पर सहमति बनी। इस योजना का उद्देश्य रेल संपर्क को प्रभावित किए बिना मथुरा और वृंदावन के बीच यातायात का वैकल्पिक मार्ग उपलब्ध कराना है। इससे श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों को आवागमन में सुविधा मिलने की उम्मीद है। मुख्यमंत्री ने योजना को आगे बढ़ाने के लिए आवश्यक प्रक्रिया तेज करने के निर्देश दिए।

खारे पानी से निजात को तालाबों पर जोर

मथुरा की पुरानी खारे पानी की समस्या के समाधान के लिए मुख्यमंत्री ने जल संरक्षण को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिक से अधिक तालाबों का निर्माण कराने और वर्षा जल संचयन को बढ़ावा देने पर जोर दिया, ताकि भूजल स्तर में सुधार हो सके और जल संकट से स्थायी राहत मिल सके। वृंदावन परिक्रमा मार्ग पर बारिश में फिसलन रोकने के लिए उपयुक्त पत्थर और मिट्टी का इस्तेमाल करने के निर्देश दिए गए। ब्रज की 200 जीर्ण-शीर्ण धरोहरों के संरक्षण के लिए 'तीर्थ मित्र' योजना शुरू करने पर भी सहमति बनी। मुख्यमंत्री ने ब्रज में दो पालियों में सफाई कराने, घर-घर से कूड़ा उठाने और उसके प्रभावी निस्तारण पर भी विशेष जोर दिया गया।

श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए मथुरा-वृंदावन में कई स्थानों पर होल्डिंग क्षेत्र बनाने के निर्देश दिए गए। बहुस्तरीय पार्किंग को सार्वजनिक-निजी भागीदारी अथवा आय-साझेदारी के आधार पर विकसित करने की योजना है। इनमें शयनगृह, खानपान केंद्र समेत अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराने पर जोर दिया गया।

नव गठित वृंदावन सर्किल के सीओ बने संदीप कुमार

नवीन सर्किल में होंगे वृदावन, पर्यटन और साइबर थाना

यूनिक समय, मथुरा। प्रदेश सरकार ने मथुरा में सुदृढ़ कानून व्यवस्था और भीड़ नियंत्रण के लिए वृंदावन सर्किल का गठन किया है। इसके सर्किल ऑफीसर के रूप में संदीप सिंह को नियुक्त किया गया है।

वृंदावन में श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या और सुदृढ़ कानून व्यवस्था और बेहतर पुलिसिंग के दृष्टिगत प्रदेश शासन द्वारा मथुरा में एक नये सर्किल का वृंदावन सर्किल का गठन किया गया है। राजपाल की स्वीकृति के बाद अपर पुलिस महानिदेशक (मुख्यालय) एवं गृह विभाग के जारी आदेश के बाद नवगठित वृंदावन सर्किल का गठन करने के बाद इस सर्किल में थाना वृंदावन थाने के साथ-साथ पर्यटन और जिले के साइबर थाने को शामिल किया गया है। इस नवगठित वृंदावन सर्किल के सीओ के रुप में संदीप कुमार सिंह को नियुक्त किया गया है। संदीप कुमार सिंह सीओ यातायात के पद पर तैनात थे। अब इसके बाद जनपद में सर्किलों की संख्या आठ हो जाएगी।

जन्माष्टमी पर नंदगांव-बरसाना में उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब

देश-विदेश से पहुंचे श्रद्धालु, होटल-धर्मशालाएं पूरी तरह भरी

नंदोत्सव में संत-महात्माओं का होगा विशेष समागम

यूनिक समय, नंदगांव। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर पूरे ब्रज में आस्था और उल्लास का वातावरण है। शुक्रवार को भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव को लेकर नंदगांव और बरसाना में देश-विदेश के अलावा विभिन्न राज्यों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। पिछले एक सप्ताह से लगातार बढ़ रही भीड़ के कारण प्रमुख होटल और धर्मशालाएं पूरी तरह भरी हुई हैं। श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या से स्थानीय व्यापारियों के कारोबार में भी तेजी आई है। छोटे दुकानदारों, फेरी लगाने वालों, ठेला संचालकों और ई-रिक्शा चालकों को अच्छी आय हो रही है। शासन-प्रशासन और पुलिस ने सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को लेकर विशेष इंतजाम किए हैं। नंदगांव के मुख्य सेवाधिकारी कन्हैया गोस्वामी ने बताया कि श्रद्धालुओं की भीड़ लगातार बनी हुई है। शनिवार को नंदभवन में नंदोत्सव मनाया जाएगा, जिसमें संत-महात्माओं और वैष्णवों के बड़ी संख्या में पहुंचने की संभावना है, सुरक्षा के लिए पुलिस बल तैनात रहेगा।

ग्रामीण ने फांसी लगा की आत्महत्या

यूनिक समय, मथुरा। फरह के गांव भीमनगर में एक व्यक्ति ने फांसी लगा कर आत्महत्या करली। आत्महत्या के कारणों के बारे में कोई जानकारी नहीं हो सकी है। भीमनगर निवासी गिर्राज सिंह (42) पुत्र राजकुमार ने कल अपने मकान के अंदर फांसी लगा कर आत्महत्या कर ली। परिवार के लोगों को जब इस बात की जानकारी हुई तो वहां हड़कंप मच गया। पुलिस को भी इस बारे में बताया गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को फांसी के फंदे से उतरवाकर पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। परिवार के लोगों का कहना है कि गिर्राज ने आत्महत्या किस कारण की उन्हें इस बारे में कोई जानकारी नहीं है।

ड्यूटी से लौटते युवक की सड़क दुर्घटना में हुई मौत

यूनिक समय, मथुरा। कंपनी से ड्यूटी करने के बाद बाइक से गांव लौट रहे युवक को हाईवे पर लाडली होटल के समीप बीती रात डंपर ने टक्कर मार दी। दुर्घटना में युवक की मौत हो गई।

बताया गया कि युवक सत्य प्रकाश निवासी गौरई जिला अलीगढ़ बल्लभगढ़ में एमएस स्क्वायर कंपनी में सुपरवाइजर की नौकरी करता था। वह रात को आठ बजे कंपनी से ड्यूटी समाप्त करने के बाद बाइक से गांव के लिए लौट रहा था। इसी दारौन हाईवे पर थाना जैंत क्षेत्र में लाड़ली होटल के समीप तेज गति से आते डंपर ने बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। दुर्घटना में सत्यप्रकाश की मौत हो गई। दुर्घटना का पता लगने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने उसके पास से मिले कागजात के आधार पर हादसे की सूचना उसके परिवारीजनों को दी। इसके साथ ही शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। दुर्घटना का पता लगने पर परिवार में कोहराम मच गया।

डकैती की योजना बनाते चार गिरफ्तार

देशी तमंचे कारतूस चाकू और उपकरण बरामद

यूनिक समय,मथुरा। गोवर्धन पुलिस ने डकैती की योजना बनाते चार अभियुक्तों को गिरफ्तार किया, उनसे देशी तमंचे और वारदात में प्रयुक्त किए जाने वाले उपकरण भी बरामद किए है।

गोवर्धन पुलिस ने गश्त और चेकिंग के दौरान एक सूचना के आधार पर सकरवा के अंदर करीब दो किलो मीटर पर बने एक कमरे के पास से डकैती की योजना बनाने के आरोप में अभियुक्त रवि निवासी बल्दू का पुरवा थाना धानेपुर जिला गौंडा, बाबा दीन निवासी दुल्हापुर थाना धानेपुर गौंडा, राम उजागर निवासी ग्राम दुल्हापुर, गौंडा और अन्नू निवासी ग्राम दुभिया थाना धानेपुर गौंडा को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से दो देशी तमंचे कारतूस और चाकू ,छुरा और घटना को अंजाम देने में प्रयोग किए जाने वाले उपकरण बरामद किए हैं।

जन्मस्थान के पास बना खोया-पाया केंद्र

यूनिक समय,मथुरा। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर जन्मभूमि आने वाले श्रद्धालुओं की भीड़ में बिछुड़े लोगों को उनके परिजन से मिलाने के लिए जन्मस्थान के पास वाहन पार्किंग परिसर में खोया-पाया केंद्र स्थापित किया गया, जहां से श्रद्धालुओं को बड़ी राहत मिलती रही।

मार्केट के बाहर कनेक्शन बॉक्स में लगी आग, बाल-बाल बचीं दुकानें

यूनिक समय, वृंदावन। इस्कॉन मंदिर के सामने स्थित मार्केट के बाहर शुक्रवार सुबह करीब छह बजे बिजली के खंभे और एबीसी कनेक्शन बॉक्स में अचानक आग लग गई। शॉर्ट सर्किट के कारण लगी आग से बिजली के कई तार जल गए। आग की लपटें देखकर आसपास मौजूद दुकानदारों में अफरा-तफरी मच गई। गनीमत रही कि आग समय रहते काबू में आ गई और मार्केट की दुकानों तक नहीं पहुंची। इससे बड़ा हादसा टल गया।

दुकानदारों के अनुसार, इस्कॉन मंदिर के सामने बिजली के तार और खंभे काफी समय से जर्जर हालत में हैं। व्यापारियों का आरोप है कि कई बार विद्युत विभाग और प्रशासन को समस्या से अवगत कराया जा चुका है, लेकिन इसके बावजूद व्यवस्था में सुधार नहीं किया गया। व्यापारियों का कहना है कि यदि आग दुकानों तक पहुंच जाती तो बड़ा नुकसान हो सकता था। घटना के बाद दुकानदारों में विद्युत विभाग के प्रति नाराजगी देखने को मिली।

कान्हा के व्रत में बदला दौर परंपरा वही, अंदाज नया

कहीं दो–तीन बार फलाहार, कहीं रात में चंद्रमा को अर्घ्य के बाद खुलता है व्रत

गांवों में आज भी जीवंत हैं पुरानी परंपराएं, रात 12 बजे करते हैं व्रत का पारण

विमला देवी

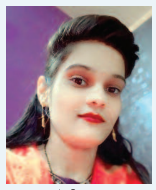
गोरी गुप्ता

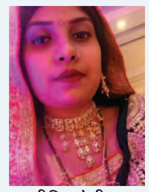
प्रीति सोनी

लक्ष्मी देवी

यूनिक समय, मथुरा। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर ब्रज में आस्था के रंग के साथ व्रत रखने की परंपरा भी निराली है। शहर से लेकर गांव और कस्बों तक कान्हा के जन्मोत्सव की तैयारियां घर–घर पूरी हो चुकी हैं। भगवान श्रीकृष्ण के जन्म की खुशी मनाने के साथ लोग अपनी–अपनी पारिवारिक परंपराओं के अनुसार व्रत रखते हैं। बदलते समय के साथ व्रत के तौर–तरीके जरूर बदले हैं, लेकिन कान्हा के प्रति श्रद्धा आज भी वैसी ही है। कोई दिन में दो–तीन बार फलाहार करता है तो कोई पूरे दिन बिना फलाहार के उपवास रखता है। कई परिवारों में आधी रात जन्म के बाद पूजा कर व्रत खोला जाता है, जबकि कुछ जगह चंद्रमा को अर्घ्य देने की पुरानी परंपरा आज भी निभाई जा रही है।

वृंदावन निवासी विमला देवी बताती हैं कि जन्माष्टमी की तैयारियां एक दिन पहले ही पूरी कर ली जाती हैं, क्योंकि जन्मोत्सव के दिन पूजा–पाठ और घर की व्यवस्था में समय कम पड़ जाता है। घर के मंदिर को सजाने के साथ भगवान के भोग के लिए पंजीरी और कतरी तैयार की जाती है। बच्चों के छोटे होने के कारण उनके घर में कान्हा का जन्म दिन में ही करा दिया जाता है। हालांकि रात में भी पूजा होती है और परिवार के सदस्य दिन–रात फलाहार करते हैं।

सुरीर निवासी गौरी गुप्ता के कहा कि पहले जन्माष्टमी का व्रत रखने का तरीका काफी अलग था। उनकी मां चंद्रमा को अर्घ्य देकर पूजा करती थीं। इसके बाद परिवार के कुछ सदस्य भोजन करते थे, जबकि कुछ लोग केवल प्रसाद ग्रहण करके व्रत खोलते थे। अब समय के साथ यह परंपरा बदल गई है। वर्तमान में परिवार में दोपहर और शाम को फलाहार किया जाता है। उनका कहना है कि पुरानी परंपरा की जगह अब सुविधा के अनुसार व्रत रखने का तरीका अपनाया जा रहा है।

सुरीर निवासी प्रीति सोनी बताती हैं कि पहले उनकी मां जिस तरह जन्माष्टमी का व्रत रखवाती थीं, उसमें नियम और परंपराओं का विशेष ध्यान रखा जाता था। अब समय बदलने के साथ व्रत रखने का अंदाज भी बदल गया है। परिवारों की दिनचर्या और खान–पान में बदलाव का असर त्योहारों पर भी दिखाई देता है। हालांकि कान्हा के जन्मोत्सव को लेकर उत्साह और श्रद्धा में कोई कमी नहीं आई है। मंडी चौराहा निवासी लक्ष्मी देवी कहती हैं कि जब वह गांव में रहती थीं, तब जन्माष्टमी पर दिन में केवल एक बार फलाहार किया जाता था। रात में चंद्रमा को अर्घ्य देकर पूजा होती थी और इसके बाद आलू के पराठे खाकर व्रत खोला जाता था। अब लोग दिन में कई बार फलाहार कर लेते हैं। रात में भगवान को लगाए गए भोग और तैयार प्रसाद को ही ग्रहण कर व्रत पूरा करते हैं। समय बदला है, लेकिन कान्हा के जन्मोत्सव की परंपरा आज भी घरों में पूरी श्रद्धा से निभाई जा रही है।

ब्रज नवयुवक क्लब की नवीन कार्यकारिणी गठित

दशहरा मेले में भगत संगीत को मिलेगा नया रूप

नई कार्यकारिणी ने परंपरा को आगे बढ़ाने का संकल्प

यूनिक समय, कोसीकलां। दशहरा और भरत मिलाप मेले पर होने वाले भगत संगीत कार्यक्रम को लेकर गुरुवार को बाईपास स्थित कार्यालय पर ब्रज नवयुवक क्लब की बैठक में नवीन कार्यकारिणी का गठन किया गया।

बैठक में किशन पंडित को संयोजक, बलराम चौधरी को सह संयोजक, मुकेश अग्रवाल तस्वीर वाले को अध्यक्ष, अमित जैन को उपाध्यक्ष, मोहन श्याम सरौलिया को मंत्री, रामकिशन को कोषाध्यक्ष सहित अन्य पदाधिकारियों का चयन किया गया। संरक्षण मंडल में चौ. मदनलाल, धर्मवीर अग्रवाल, नरेंद्र कुमार, विष्णु स्वरूप मित्तल और चौ. इंदर सिंह नेताजी को शामिल किया गया। इस अवसर पर नवनियुक्त अध्यक्ष मुकेश अग्रवाल तस्वीर वाले ने कहा कि नगर की भगत संगीत की परंपरा सैकड़ों साल पुरानी और हमारी सांस्कृतिक धरोहर है। यह सिर्फ मनोरंजन नहीं, बल्कि हमारे संस्कारों और इतिहास की पहचान है। मुगल काल से चली आ रही इस स्वांग कला में राजा हरिश्चंद्र, भक्त प्रहलाद जैसी कथाओं के माध्यम से लोगों को धर्म और सत्य का संदेश दिया जाता था। इस बार दशहरा–भरत मिलाप पर भगत संगीत को पहले से अधिक भव्य और आकर्षक बनाकर नई पीढ़ी तक पहुंचाया जाए, ताकि हमारी आने वाली पीढ़ी भी अपनी इस गौरवशाली परंपरा से जुड़ सके।

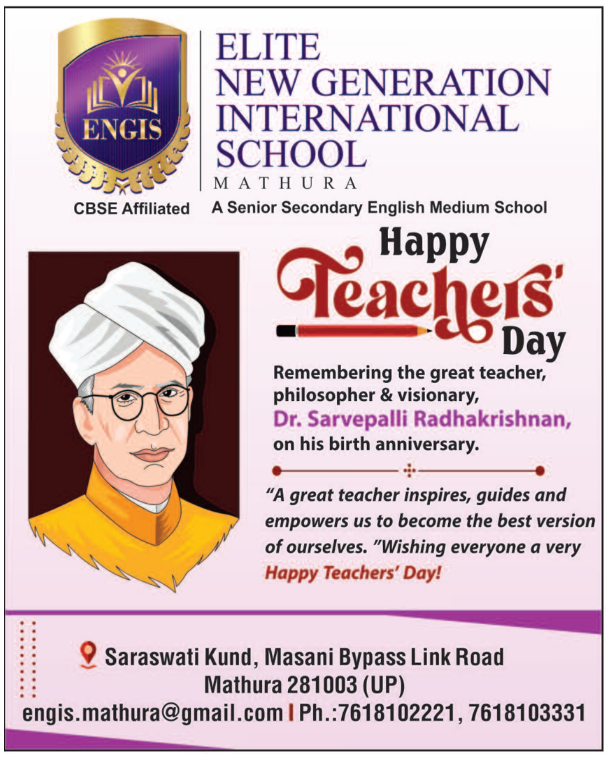

जन्माष्टमी पर बांके बिहारी मंदिर में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

यूनिक समय, वृंदावन। जन्माष्टमी पर शुक्रवार को बांके बिहारी मंदिर में श्रद्धालुओं का भाव दिखा। सुबह से ही मंदिर और आसपास के क्षेत्र में भक्तों की आवाजाही बनी रही।

मंदिर की ओर जाने वाले प्रमुख मार्गों पर दिनभर भक्तों की आवाजाही बनी रही। श्रद्धालु हाथों में पूजा सामग्री और प्रसाद लेकर मंदिर की ओर जाते दिखाई दिए।

शुक्रवार को जन्माष्टमी पर बांकेबिहारी के दर्शन को मौजूद श्रद्धालु।

सुरक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए मंदिर क्षेत्र में पुलिस और प्रशासन की टीमों की तैनाती की गई है। जन्माष्टमी का मुख्य पर्व होने के कारण शाम के बाद श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ने की संभावना जताई जा रही है। इसे देखते हुए प्रशासन और पुलिस की ओर से व्यवस्थाओं पर नजर रखी जा रही है। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए मंदिर के आसपास बैरिकेडिंग और आवागमन व्यवस्था पर भी की गई।

आवश्यकता है।
प्रवक्ताओं की BBA और BCA के पाठ्यक्रम हेतु इच्छुक एवं योग्य अभ्यर्थी आवेदन करें।
ज्ञान विज्ञान इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशन
पखौदना, टप्पल, अलीगढ़ (उत्तर प्रदेश)
सम्पर्क सूत्रः 7983025412, 9756811704

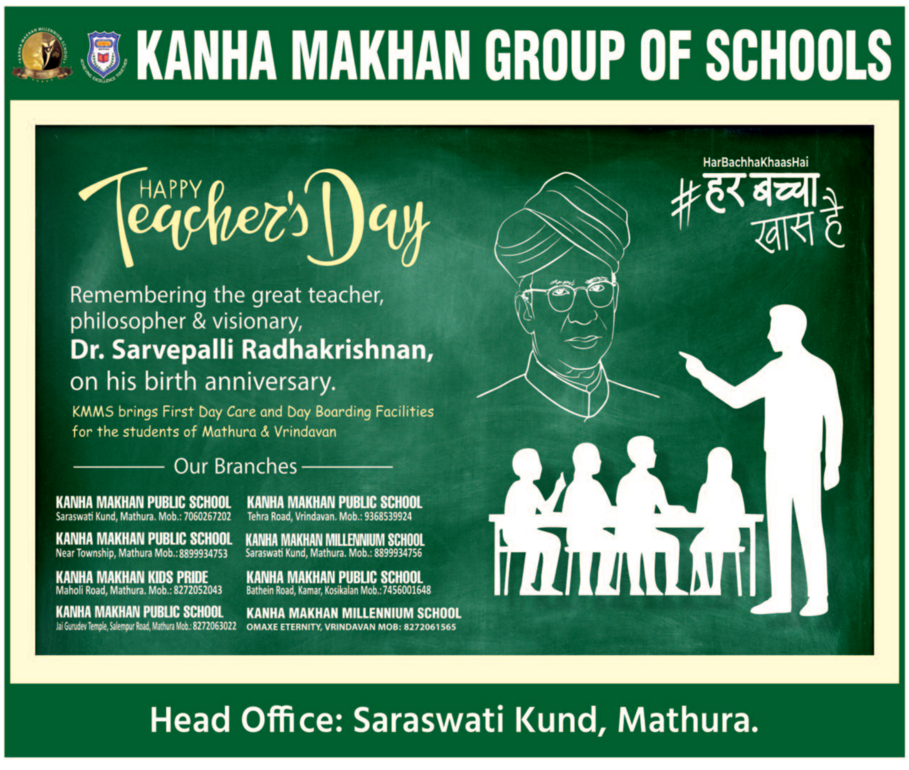

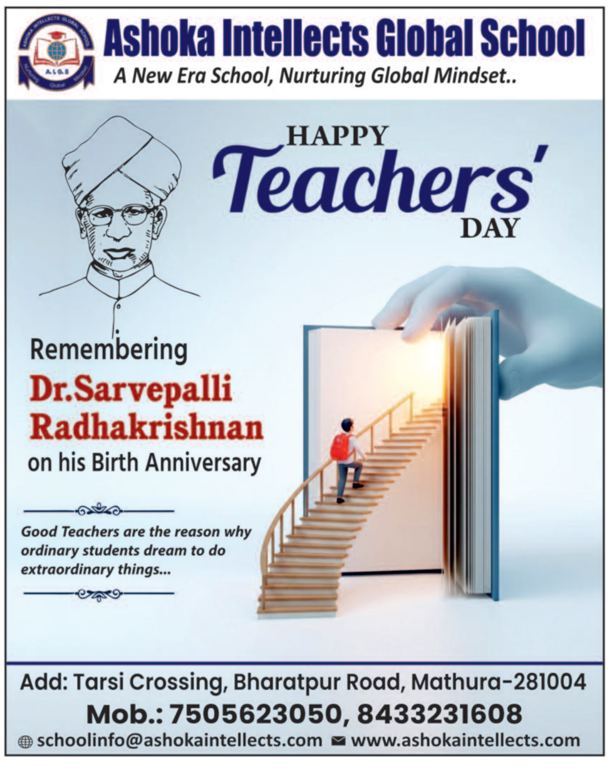

यूनिक समय
स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित।
कार्यालयः– यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा।
संपादक–पवन गौतम
फोन नंबर–0565-3550761
मो. 9837155888
E-mail : uniquesamaynews@gmail.com
website : uniquesamay.com
RNI-UPHIN/2023/85053
DAVP-: 134220
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28
सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा।

कान्हा के जन्मोत्सव में सेवा की गंगा भंडारों में उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब

शहर से देहात तक जगह जगह सजे सेवा के दरबार लाखों कृष्ण भक्तों ने ग्रहण की प्रसादी

पूड़ी-सब्जी,खीर से लेकर शिकंजी और व्रत प्रसाद तक की रही व्यवस्था

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर मसानी पेट्रोल पंप के सामने लगाए गए भंडारे में श्रद्धालुओं को प्रसाद बांटते समाजसेवी प्रमोद गर्ग कसेरे, साथ हैं पूर्व विधायक प्रदीप माथुर आदि।

श्री जी बाबा आश्रम पर आयोजित भंडारे में प्रसाद वितरित करते एसपी यातायात राजेश तिवारी, विशेष न्यायाधीश लाल बहादुर जायसवाल आदि ।

यूनिक समय, मथुरा। शुक्रवार को कान्हा की नगरी में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का उल्लास चरम पर पहुंचते ही श्रद्धा के साथ सेवा की तस्वीर भी दिखाई दी। देश–दुनिया से आए लाखों श्रद्धालुओं के स्वागत के लिए शहर के प्रमुख मार्गों, चौराहों और मंदिरों के आसपास जगह–जगह 132 भंडारे सजाए गए। कहीं पूड़ी–सब्जी और बूंदी का प्रसाद बंटा तो कहीं कढ़ी–चावल, हलवा, मंगोड़े, आइसक्रीम और शिकंजी, मिठाईयां तो कहीं खीर से भक्तों की सेवा की गई। व्रत रखने वाले श्रद्धालुओं के लिए अलग से फलाहार की व्यवस्था की गई। भंडारों में उमड़ी भीड़ ने ब्रजवासियों की सेवा भावना की तस्वीर सामने रख दी।

मसानी चौराहा स्थित पेट्रोल पंप के सामने उद्योगपति- जलपुरुष प्रमोद गर्ग कसेरे की ओर से विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। यहां श्रद्धालुओं को पूड़ी, कढ़ी, चावल, बूंदी और शिकंजी के साथ व्रत रखने वाले भक्तों के लिए फलाहार का प्रसाद भी वितरित किया गया। सेवा व्यवस्था को देखकर लोगों ने आयोजकों की सराहना की। जलपुरुष प्रमोद गर्ग कसेरे ने कहा कि श्रीकृष्ण जन्मोत्सव पर श्रद्धालुओं की सेवा करना सौभाग्य की बात है। इस अवसर पर पूर्व विधायक प्रदीप माथुर, पूर्व विधायक कारिंदा सिंह सहित विभिन्न राजनीतिक दलों के नेता और गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। विश्व मानव रूहानी केंद्र की ओर से जयसिंहपुरा में पीपल बाबा के बराबर में भंडारे का आयोजन किया गया। शुभारंभ भाजपा नेता डॉ. देवेंद्र शर्मा, पार्षद/कैबिनेट सदस्य राकेश भाटिया ने किया। चिकित्सा शिविर डॉ. योगेश ठाकुर के द्वारा लगाया गया। इस मौके पर दिनेश शर्मा, ललित, प्रमोद, वीरनारायण, नवीन, रामवीर शर्मा, केएन शर्मा आदि मौजूद रहे। वहीं गायत्री मंदिर के सामने लगाए गए भंडारे का शुभारंभ पार्षद- कैबिनेट सदस्य राकेश भाटिया ने किया। इस अवसर पर पुष्पेंद्र चौधरी, मुकुट ठाकुर, चंद्रकांत पंडित, दिलीप वर्मा, केपी सिंह, सुरेश अग्रवाल, आनंद चतुर्वेदी और सनी ठाकुर आदि मौजूद रहे।

प्राचीन मंदिर ठाकुर केशव देव के भक्तों की ओर से गौरी गोपाल आश्रम में भंडारे और भजन संध्या का आयोजन किया गया। शुभारंभ अनिरुद्ध आचार्य ने किया। राजकुमार अग्रवाल, वेद प्रकाश शर्मा, मुकेश सिंह, विशाल, गौरव, रोहित तिवारी और सुयश जैन सहित अनेक भक्त मौजूद रहे। प्रथम पहल फाउंडेशन (रजि.) की ओर से गोविंद नगर में भंडारा- निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर लगाया गया। इस मौके पर मनोज बंसल, योगेश सराफ, सुनील कनुआ और हरि बाबू पटना,संस्था के संस्थापक सीए अमित अग्रवाल, अध्यक्ष कन्हैया लाल अग्रवाल (स्वीटी) के साथ प्रभात कुमार अग्रवाल, डॉ. अशोक अग्रवाल, गोवर्धन दास एस.के. जरी, गजानंद साड़ी वाले, पंकज तालीवाल, नारायण हरि गोयल, अनुपम शर्मा, गिरीश वर्मा, मनोज सराफ, आशीष खंडेलवाल, वेद प्रकाश अग्रवाल, संजय मित्तल, कन्हैया लाल अंगूठी वाले, प्रियांश अग्रवाल, उमेश बंसल, मोहन लाल कांठी वाले, मदन मोहन, सुधीर अग्रवाल, बसंत सिंघल, अशोक बंसल, मनोज चैन और राजकुमार खोया वाले सहित अनेक सेवाभावी सदस्य मौजूद रहे। स्वास्थ्य शिविर में पैरामेडिकल टीम की काजल ठाकुर, दीपक राजपूत, रोशनी, संतोष उपाध्याय, हकीम सिंह और योगिता शर्मा ने सेवाएं दीं। संस्थापक सीए अमित अग्रवाल एवं अध्यक्ष कन्हैया लाल अग्रवाल (स्वीटी) ने कहा कि प्रथम पहल फाउंडेशन पिछले सात वर्षों से स्वास्थ्य एवं जनसेवा के क्षेत्र में लगातार कार्य कर रहा है। गिलट आभूषण व्यवसायी समिति रजि. ने रामपाल गली मंडी रामदास में तीन दिवसीय भंडारे का आयोजन किया गया। यहां श्रद्धालुओं को पूड़ी, गट्टे की सब्जी, बूंदी, आइसक्रीम, हलवा और मंगोड़े सहित विभिन्न प्रकार का प्रसाद वितरित किया गया। इस मौके पर अध्यक्ष-भाजपा मंडल कोषाध्यक्ष दिनेश अग्रवाल सादाबाद वाले, उपाध्यक्ष राहुल नक्षत्र, गुड्डू अग्रवाल, मुख्य संयोजक मृदुल कृष्ण अग्रवाल, सहमंत्री सुरेंद्र चौधरी, सहसंयोजक राहुल नवरत्न, राजीव, विष्णु अग्रवाल, कपिल अग्रवाल, नितिन मुनीम, बृजेश अग्रवाल, राम विसावर, कोषाध्यक्ष अनिल अग्रवाल, शंकर अग्रवाल, संजय मामा और संरक्षक महेश अग्रवाल सहित समिति के सदस्य सेवा में जुटे रहे।

श्री जी बाबा आश्रम भूतेश्वर पर भंडारे का शुभारंभ एसपी यातायात राजेश तिवारी और विशेष न्यायाधीश लाल बहादुर जायसवाल ने किया। दोनों अधिकारियों द्वारा श्रद्धालु भक्तों को प्रसाद वितरित किया गया। इस अवसर पर महंत राधाकांत गोस्वामी, रमाकांत गोस्वामी, वरिष्ठ अधिवक्ता एनके उपमन्यु, आजाद सारस्वत, कन्हैया अग्रवाल, सौरभ अग्रवाल, राकेश अग्रवाल, महेश लोहिया, अनिल वाजपेई, सीए मुरली मनोहर अग्रवाल, सुनील स्वीटी सुपारी, सतीश अग्रवाल, प्रमोद पत्थर वाले, राकेश गौर आदि मौजूद रहे।

नटखट कान्हा सबके मन को भाया

यश यादव

जिया अग्रवाल

पलवी

पुष्कर

प्रणित अरोड़ा

स्तुति अग्रवाल

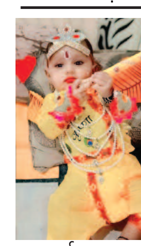

पार्थ गुप्ता

निकुंज वार्ष्णेय

लवी बघेल

प्रत्यंश वार्ष्णेय

फर्जी कागजात से जमीन बिक्री करने वाला गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। छाता पुलिस ने जमीन का अवैध बैनामा करने वाले एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, अभियुक्त गिरधारी निवासी सिवाल थाना बरसाना ने एक मृतक व्यक्ति की जमीन की फर्जी वसीयत तैयार करके अपने साथियों को सहयोग से मुखतारनामा और बैनामा करके बिक्री कर दी थी। उसके खिलाफ थाना छाता में धोखाधड़ी कर जमीन के फर्जी कागजात तैयार करके बिक्री करने का मामला दर्ज कराया गया था। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया।

जन्माष्टमी पर रोशनी से नहाया वृंदावन

सप्त देवालयों में रंग–बिरंगी झालरों से सजी अद्भुत छटा

यूनिक समय, मथुरा। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर वृंदावन के मंदिरों की भव्य सजावट ने श्रद्धालुओं को अभिभूत कर दिया। शाम ढलते ही रंग–बिरंगी रोशनी से नहाए मंदिरों की आभा देखते ही बन रही थी। विद्युत झालरों से सजे मंदिरों को देखने के लिए श्रद्धालुओं के कदम ठहर गए। मंदिरों की शिखर से चौखट तक की गई सजावट ने वृंदावन की धार्मिक छटा में चार चांद लगा दिए। वृंदावन के प्राचीन सप्त देवालयों में विशेष सजावट की गई। श्री राधारमण मंदिर, श्री राधादामोदर मंदिर, श्री राधागोकुलानंद मंदिर, श्री राधागोविंद देव मंदिर सहित अन्य प्राचीन मंदिरों को आकर्षक रोशनी से सजाया गया। मंदिरों के चौक और गर्भगृह को सुगंधित देशी–विदेशी फूलों, गुब्बारों और रंग–बिरंगे पुष्पों से सजाया गया। फूलों की खुशबू और दीपों की रोशनी से मंदिर परिसर का वातावरण और भी मनोहारी हो उठा। ठाकुर बांकेबिहारी मंदिर में जन्माष्टमी को लेकर विशेष धार्मिक उत्साह रहा। सेवायत गोस्वामी भगवान बांकेबिहारी की सेवा में जुटे रहे और बधाई गीत गुनगुनाते नजर आए। राधावल्लभ मंदिर समेत वृंदावन के अन्य मंदिरों में भी विशेष फूल बंगले और आकर्षक सजावट की गई। गलियों और बाजारों में भी रोशनी की छटा दिखाई दी। शाम होते ही पूरा वृंदावन मानो दीपों और रंगीन रोशनी की चादर ओढ़े नजर आया। मंदिरों की इस दिव्य सजावट और आरती की मनोहारी छटा ने श्रद्धालुओं को देर तक बांधे रखा। हर ओर भक्ति, संगीत और जयकारों का ऐसा संगम दिखाई दिया, मानो पूरा वृंदावन स्वयं कान्हा के जन्मोत्सव में झूम रहा हो।

100 फुटा मार्ग पर करंट से मची अफरा तफरी, पुलिसकर्मियों ने संभाला मोर्चा

यूनिक समय, मथुरा। कान्हा के जन्मोत्सव पर पर शुक्रवार को वृंदावन के 100 फुटा मार्ग पर अचानक विद्युत करंट उतरने से श्रद्धालुओं में अफरा–तफरी मच गई। करंट की चपेट में आने की आशंका को देखते हुए मौके पर तैनात दो पुलिसकर्मियों ने साहस दिखाते हुए लोगों को वहां से दूर किया और सुरक्षित रास्ते से निकालते रहे। इससे बड़ा हादसा होने से टल गया। सूचना मिलते ही विद्युत विभाग के कर्मचारी मौके पर पहुंचे। विद्युतकर्मियों ने विद्युत खंभे से संबंधित तार को काटकर बिजली आपूर्ति बंद की, जिसके बाद स्थिति सामान्य हो सकी। घटना के दौरान कुछ समय के लिए मार्ग पर श्रद्धालुओं की आवाजाही प्रभावित रही।

योगीराज श्रीकृष्ण की भव्य शोभायात्रा में उमड़ा भक्तों का जनसैलाब

नासिक ढोल, बैंड और आकर्षक झांकियों ने मोहा मन

नगर के प्रमुख मार्गों पर हुआ पुष्पवर्षा और आरती से स्वागत

यूनिक समय, मथुरा। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर शुक्रवार को श्रीकृष्ण जन्मोत्सव समिति (रजि.) के तत्वावधान में भगवान श्रीकृष्ण की भव्य-दिव्य शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा में उमड़े श्रद्धालुओं के सैलाब से शहर कृष्णमय हो गया। जगह–जगह श्रद्धालुओं ने शोभायात्रा का पुष्पवर्षा, आरती-पूजन कर स्वागत किया। शोभायात्रा में शामिल आकर्षक झांकियां श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र रहीं। शोभायात्रा में नासिक ढोल, गणेश जी की झांकी, नगर के प्रमुख बैंड, सीता–राम, राधा–कृष्ण और केशव देव भगवान की मनोहारी झांकियां निकाली गईं। श्री राधे–राधे संकीर्तन मंडली द्वारा प्रस्तुत भजनों पर श्रद्धालु जमकर झूमते नजर आए। समिति के अध्यक्ष मुकेश खंडेलवाल ने बताया कि श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर विशाल शोभायात्रा का आयोजन किया गया। शोभायात्रा भरतपुर गेट से प्रारंभ होकर होली गेट, द्वारिकाधीश मंदिर, स्वामी घाट, चौक बाजार, मंडी रामदास होते हुए डीग गेट स्थित अंगूरी वाटिका पहुंचकर संपन्न हुई। समिति के मीडिया प्रभारी दीपक गोला ने बताया कि श्रीकृष्ण जन्मोत्सव के तहत आयोजित पांच दिवसीय श्रीकृष्ण लीला महोत्सव का लीला मंचन शनिवार पांच सितंबर को होगा। शाम सात बजे बृज कला केंद्र, मसानी पर लीला कार्यक्रम का शुभारंभ किया जाएगा।

भगवान श्रीकृष्ण की शोभायात्रा में शामिल पदाधिकारी।

शोभायात्रा में राजेंद्र खंडेलवाल, प्रेम अग्रवाल, महेश चंद प्रेस वाले,अजय चतुर्वेदी, देवेंद्र शर्मा, मूलचंद गर्ग, राजीव मित्तल, हरकिशन मित्तल, मनीष अग्रवाल त्रिवेणी, राजेश गोयल, देवेंद्र मित्तल, अनुज अग्रवाल प्रेस वाले, डॉ. अशोक अग्रवाल, हरेश अग्रवाल, गिरीश सर्राफ, मुरारी लाल गर्ग, राजीव खंडेलवाल, सुरेश चंद्र, सुनील, अशोक कुमार, उमेश चंद, रमेश चंद, पंकज अग्रवाल, बलराम सैनी, रवि मास्टर, वीरेंद्र मित्तल, धीरेन्द्र सिंह, गोविंद अग्रवाल, अतुल अग्रवाल, गिरीश चंद सर्राफ, अतुल हार्डवेयर वाले, मुरारी लाल सर्राफ, लक्ष्मण खंडेलवाल, रोहित मित्तल, योगेंद्र चतुर्वेदी आदि मौजूद रहे।

मौसम की कृपा अफसर हो गए पास !

सीएम के आगमन पर आसमान साफ रहा तो अफसरों ने ली चैन की सांस

यूनिक समय, मथुरा। सीएम के आगमन से एक दिन पहले बुधवार को कान्हा की नगरी पानी–पानी हो गई, जिससे मौसम के हाल को देखकर अधिकारियों की धड़कन बढ़ गईं। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी से एक दिन पहले हुई झमाझम बारिश ने प्रशासन की व्यवस्थाओं की ऐसी परीक्षा ली कि जलभराव से अधिकारियों की चिंता बढ़ गई। सबसे बड़ी चिंता मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जन्माष्टमी पर मथुरा–वृंदावन आगमन को लेकर थी। अधिकारियों को डर था कि यदि दौरे के दौरान भी आसमान बरस पड़ा तो व्यवस्था बिगड़ जाएगी। लिहाजा निगाहें बादलों पर और दुआएं मौसम के नाम रहीं।

किस्मत ने भी प्रशासन का साथ दिया। जन्माष्टमी और उससे एक दिन पहले तक आसमान मेहरबान रहा और बारिश ने दूरी बनाए रखी। मुख्यमंत्री का मथुरा–वृंदावन दौरा सकुशल संपन्न हुआ। दो दिवसीय दौरे के बाद मुख्यमंत्री के प्रस्थान करते ही अधिकारियों ने भी राहत की सांस ली।

एक दिन पहले जिन रास्तों पर पानी प्रशासन की तैयारियों का आईना दिखा रहा था, वहीं अगले दिन मौसम ने अधिकारियों की लाज रख ली। अब शहर में यही तंज चर्चा में है–व्यवस्थाएं चाहे जैसी हों, मौसम साथ हो तो सब पास।

पोतरा कुंड पर श्रद्धालु को लगा करंट, मची अफरा–तफरी

यूनिक समय, मथुरा। कान्हा के जन्मोत्सव पर सांय के समय अचानक पोतरा कुंड पर एक श्रद्धालु को अचानक करंट लग गया। इसे आसपास अफरा तफरी मच गई। आनन फानन में युवक को पुलिस कर्मी गाड़ी में डालकर नजदीकी अस्पताल ले गए। इस घटना की सूचना आग की तरह फैल गयी। भगवान का शुक्र रहा कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ।

वहीं, श्रीकृष्ण जन्मभूमि परिसर में महोत्सव के दौरान भारी भीड़ के बीच एक श्रद्धालु की अचानक तबीयत बिगड़ गई। मौके पर तैनात सुरक्षा कर्मियों ने तत्परता दिखाते हुए तुरंत एंबुलेंस बुलवाई और श्रद्धालु को जिला अस्पताल भिजवाया। जन्माष्टमी पर लाखों श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचे हुए हैं। इसी दौरान एक श्रद्धालु अचानक

करंट लगने से युवक को गाड़ी में डालकर अस्पताल ले जाते पुलिस कर्मी।

जन्मभूमि परिसर में भीड़ के बीच एक श्रद्धालु हुआ बेहोश

बेहोश होकर गिर पड़ा, जिससे कुछ देर के लिए परिसर में अफरा–तफरी का माहौल बन गया।

मौके पर मौजूद पुलिस और सुरक्षा कर्मियों ने बिना देर किए श्रद्धालु को प्राथमिक सहायता उपलब्ध कराई और तत्काल एंबुलेंस के माध्यम से जिला अस्पताल भेज दिया। सुरक्षा बलों की त्वरित कार्रवाई से श्रद्धालु को समय पर उपचार मिल सका।

कुत्ता सामने आने से पलटा सवारियों से भरा ऑटो, हादसा टला

यूनिक समय, शेरगढ़। कस्बा में नौहझील रोड स्थित यमुना पुल के समीप शुक्रवार करीब 11:30 बजे उस समय बड़ा हादसा होने से टल गया, जब तेज रफ्तार ऑटो के सामने अचानक कुत्ता आ गया। कुत्ते को बचाने के प्रयास में ऑटो अनियंत्रित होकर सड़क किनारे गड्ढे में पलट गया। ऑटो में सवारियां मौजूद थीं।

मौके पर मौजूद स्थानीय निवासी बहरुद्दीन ने बताया कि ऑटो सवारियों को लेकर जा रहा था। इसी दौरान अचानक सामने कुत्ता आ जाने से चालक ने उसे बचाने का प्रयास किया, जिसके चलते ऑटो अनियंत्रित होकर सड़क किनारे गड्ढे में पलट गया। ऑटो के पलटते ही सवारियों में चीख–पुकार मच गई। चीख–पुकार सुनकर मौके पर मौजूद स्थानीय लोग दौड़कर पहुंचे और ऑटो में फंसी सवारियों को सुरक्षित बाहर निकाला। सूचना पर चेतक पुलिस भी मौके पर पहुंची और घटना की जानकारी ली। गनीमत रही कि हादसे में किसी भी सवारी को चोट नहीं लगी। घटना के बाद ऑटो स्वामी अपने ऑटो को लेकर गंतव्य की ओर रवाना हो गया। बताया गया कि ऑटो का मालिक नौहझील क्षेत्र का निवासी है। हादसे में किसी के घायल न होने से सभी ने राहत की सांस ली।

चंद्रोदय मंदिर में गूंजे श्रीकृष्ण के जयकारे

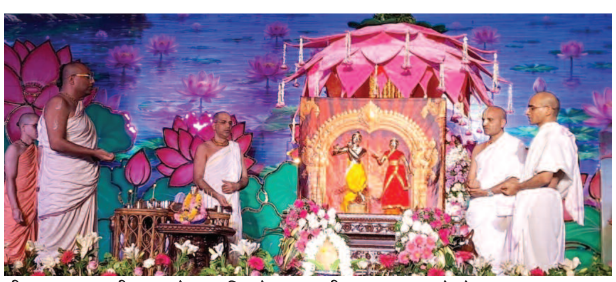
श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर चंद्रोदय मंदिर में ठाकुर जी का पूजन करते सेवायत।

यूनिक समय, वृंदावन। चंद्रोदय मंदिर में शुक्रवार को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव श्रद्धा, भक्ति और उ ल्लास के साथ मनाया गया। मंदिर परिसर को रंग–बिरंगे पुष्पों और आकर्षक विद्युत सज्जा से सजाया गया। उत्सव में लड्डू गोपाल अभिषेक, छप्पन भोग, विशेष श्रृंगार, झूलन उत्सव, भजन संध्या और हरिनाम संकीर्तन प्रमुख आकर्षण रहे।

वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच भगवान श्रीश्री राधा वृंदावन चंद्र का पंचगव्य, 108 प्रकार के फलों के रस, औषधियों और पुष्पों से महाभिषेक किया गया। भगवान को श्याम रंग के रेशमी और चांदी की कढ़ाई वाले वस्त्र धारण कराए गए। निताई–गौरांग का भी विशेष श्रृंगार

मंदिर परिसर को आकर्षक विद्युत से सजाया गया

किया गया। मंदिर अध्यक्ष चंचलापति दास ने कहा कि श्रीकृष्ण स्वयं पूर्ण पुरुषोत्तम भगवान हैं। उन्होंने श्रीमद् भागवत के श्लोक का उल्लेख करते हुए कहा कि भगवान अधर्म के बढ़ने पर धर्म की स्थापना, भक्तों की रक्षा और जीवों के कल्याण के लिए अवतरित होते हैं। उन्होंने कहा कि जन्माष्टमी भगवान के प्रति प्रेम और भक्ति जागृत करने का पावन अवसर है। लखनऊ आगरा, दिल्ली और जयपुर सहित विभिन्न क्षेत्रों से श्रद्धालु पहुंचे।

बरारी में निकली भव्य कृष्ण शोभायात्रा, उमड़े श्रद्धालु

बरारी में निकाली गई शोभायात्रा में शामिल झांकी।

यूनिक समय, बरारी। रिफाइनरी क्षेत्र के गांव बरारी में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर ग्रामीणों ने भव्य कृष्ण शोभायात्रा निकाली। शोभायात्रा का शुभारंभ गांव के मुख्य मंदिर से हुआ। इसमें भगवान श्रीकृष्ण की फूलों से सजी मनमोहक झांकी, घोड़ा–बग्गी और बैंड–बाजे आकर्षण का केंद्र रहे।

शोभायात्रा गांव के प्रमुख मार्गों, बाजार और गली–मोहल्लों से होकर गुजरी। यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। इस दौरान पूरा गांव कृष्ण भक्ति में डूबा नजर आया। श्रद्धालुओं

बैंड–बाजे और झांकियों ने बांधा भक्ति का समां

ने 'नन्द घर आनंद भयो, जै कन्हैया लाल की' के जयकारे लगाए। बैंड–बाजों और ढोल–नगाड़ों की धुन पर युवा, महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग भक्ति गीतों पर झूमते नजर आए। जगह–जगह ग्रामीणों ने शोभायात्रा का स्वागत किया। भ्रमण के बाद शोभायात्रा पुनः मंदिर परिसर पहुंचकर संपन्न हुई। जन्मोत्सव को लेकर ग्रामीणों में खासा उत्साह रहा।

कल होगा प्रदूषण के खिलाफ महा आंदोलन

यूनिक समय, कोसीकलां। कोसी–कोटवन औद्योगिक क्षेत्र नवीपुर में टायर प्लांट और थर्माकोल प्लांट के जहरीले प्रदूषण के खिलाफ ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा है। जहरीले धुएं से बीमार हो रहे नवीपुर के लोगों ने पांच सितंबर को प्रदूषण के खिलाफ महा आंदोलन का ऐलान किया है।

ग्रामीण प्रीतम, गोविन्दा, गोविन्द मुखिया, राजवीर, रामवीर बीडीसी, गुरदेव, शिवम, संजीव आदि का आरोप है कि टायर प्लांट बिना मानकों के चल रहे हैं। दिन–रात चिमनियों से काला जहरीला धुआं उगला जा रहा है। केमिकल युक्त कचरा खुले में फेंका जा रहा है। इससे पूरे क्षेत्र की हवा जहरीली हो गई है। हर घर में सांस, दम घुटने, खांसी, एलर्जी के मरीज हैं। टीबी, अस्थमा, फेफड़ों और कैंसर जैसी गंभीर बीमारियां आम हो गई हैं। पिछले कुछ वर्षों में कई परिवार उजड़ चुके हैं। ग्रामीणों ने प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और स्थानीय प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए हैं। ग्रामीणों का कहना है

नवीपुर के लोगों ने भरी हुंकार, अधिकारियों की मिलीभगत से मौत बांट रहे हैं टायर प्लांट

कि टायर प्लांट से फैल रहे जहर की कई बार लिखित- मौखिक शिकायत प्रदूषण विभाग और प्रशासनिक अधिकारियों से की गई, लेकिन अधिकारियों ने मोटी रकम लेकर आंखें बंद कर रखी हैं। जांच के नाम पर सिर्फ खानापूर्ति की जाती है। अधिकारी फैक्ट्री मालिकों से मिले हुए हैं, तभी तो इतने प्रदूषण के बाद भी प्लांट सीना ताने चल रहा है। ग्राम प्रधान प्रतिनिधि भोलू ने बताया कि कार्रवाई न होने के चलते ग्रामीणों का सब्र अब टूट गया है। पांच सितंबर को सैकडों की संख्या में ग्रामीण बडे स्तर से आंदोलन शुरू करेंगे। चेतावनी दी कि जब तक सभी अवैध टायर प्लांटों को बंद कर सीज नहीं किया जाता, तब तक आंदोलन जारी रहेगा।

फैक्ट्री में लगी आग से हड़कंप

यूनिक समय,मथुरा। माहेश्वरी हॉस्पिटल के पीछे एक इलेक्ट्रोनिक्स के गोदाम में शुक्रवार को लगी आग से इलाके में हड़कंप मच गया। देखते ही देखते आग के तेज शोले उठने लगे। आग से इलाके में हड़कंप मचगया। आग को बुझाने के लिए फायर ब्रिगेड की गाड़ी मौके पर पहुंच गई। बताया गया आज सायं माहेश्वरी हॉस्पिटल के पीछे स्थित एक इलेक्ट्रोनिकस की फैक्ट्री में आग लग गई। आग लगने से इलाके में हड़कंप मच गया। आग की तेज लपटों को देख कर लोग भयभीत हो गए। पुलिस और फायर ब्रिगेड को फोन किया गया। मौके पर पुलिस और फायर ब्रिगेड की गाड़ियां पहुंच गई। फायर ब्रिगेड कर्मचारी आग को बुझाने में जुट गए। आग इतनी तेज थी कि फायर ब्रिगेड की कई दमकले समाचार लिखे जाने तक आग को बुझाने में जुटी हुई थी।

महाराजा अग्रसेन जयंती पर अग्रवाल सभा करेगी दुग्धाभिषेक

यूनिक समय, कोसीकलां। श्री कोसीकलां अग्रवाल सभा के तत्वावधान में महाराजा अग्रसेन जयंती महोत्सव को लेकर मां राजेश्वरी मां भगवती का भव्य दुग्धाभिषेक कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। अग्रवाल सभा के अध्यक्ष संजीब जाबिया ने बताया कि छह सितंबर को प्रातः आठ बजे अग्रवाल सभा की कार्यकारिणी और बुद्धजीवियों के साथ मां भगवती मंदिर पर दुग्धाभिषेक किया जाएगा।

कैडेट्स ने सीखी ड्रोन मरम्मत रखरखाव और उड़ान तकनीक

सीएटीसी–48 के पांचवें दिन तकनीकी प्रशिक्षण पर रहा जोर

यूनिक समय, मथुरा। 11 यूपी बटालियन एनसीसी के सीएटीसी–48 ड्रोन प्रशिक्षण और प्रतियोगिता शिविर के पांचवें दिन कैडेट्स ने ड्रोन की मरम्मत, रखरखाव और उन्नत उड़ान तकनीक का प्रशिक्षण लिया। शिविर का नेतृत्व कैंप कमांडेंट कर्नल विक्रांत त्यागी कर रहे हैं। प्रशिक्षण का उद्देश्य कैडेट्स को ड्रोन संचालन के साथ इसकी तकनीकी संरचना की जानकारी देना रहा।

कैडेट्स को ड्रोन के प्रमुख हिस्सों मोटर, प्रोपेलर, बैटरी प्रणाली और उड़ान नियंत्रक की कार्यप्रणाली समझाई गई। साथ ही सामान्य तकनीकी खराबियों की पहचान और उनके समाधान का अभ्यास कराया गया। प्रशिक्षण के दौरान कैडेट्स ने उड़ान नियंत्रण, दिशा परिवर्तन, ऊंचाई नियंत्रण, मार्ग निर्देशन और सटीक उड़ान का अभ्यास किया।

बटालियन की ओर से प्रशिक्षण के लिए विभिन्न प्रकार के ड्रोन उपलब्ध कराए गए हैं। इनमें रक्षा क्षेत्र

ड्रोन उड़ान की तकनीकी सीखते एनसीसी कैडेट्स।

के साथ नागरिक कार्यों में इस्तेमाल होने वाले ड्रोन भी शामिल हैं। कैडेट्स को बताया गया कि ड्रोन का उपयोग निगरानी के अलावा कृषि, सर्वेक्षण, मानचित्रण और आपदा प्रबंधन में भी किया जा रहा है। प्रशिक्षण को केवल ड्रोन उड़ाने तक सीमित नहीं रखा गया। कैडेट्स को उसके संचालन, तकनीकी संरचना और सामान्य रखरखाव की जानकारी भी दी गई। कैंप एडजुटेंट कैप्टन गोविंद, प्रशिक्षण अधिकारी हुकम सिंह प्रजापति, सूबेदार मेजर राजविंदर सिंह, जीसीआई गायत्री सोरोत और प्रशिक्षण जेसीओ तेजेंद्र बहादुर गुरंग ने कैडेट्स का मार्गदर्शन किया।

श्री रामलीला संस्थान ने किया दुग्धाभिषेक,मेले की तैयारियां प्रारम्भ

यूनिक समय, कोसीकलां। श्री रामलीला संस्थान के पदाधिकारियों ने नगर देवी मां भगवती पर दुग्धाभिषेक किया। इसी के साथ भरत मिलाप मेले की तैयारियां का विधिवत शुभारंभ किया।

शुक्रवार को श्री रामलीला संस्थान के पदाधिकारी एकजुट होकर गौमती सरोवर स्थित नगर देवी मां भगवती मंदिर पहुंचे। यहां मेला आचार्य मोरमुकुट शास्त्री के निर्देशन में संस्थान के अध्यक्ष गिर्राज चौधरी ने समाजसेवी और संस्थान के सदस्यों के साथ वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच मां भगवती पर दूध की

कोसीकलां में मां भगवती मंदिर पर पूजा–अर्चना करते रामलीला के अध्यक्ष गिर्राज चौधरी और उनके सहयोगी।

पावन धारा अर्पित की। इस दौरान मंदिर परिसर मां भगवती और श्रीराम के नारों से गूंज उठा।

इस अवसर पर अध्यक्ष गिर्राज चौधरी ने कहा कि नगर की यह परंपरा रही है कि कोई भी शुभ कार्य करने से पहले प्राचीन मां भगवती मंदिर पर पूजा-अर्चना और दुग्धाभिषेक किया जाता है। हर साल रामलीला की तैयारियों की शुरूआत भी इसी पावन परंपरा के साथ की जाती है। मां के आशीर्वाद से ही हर कार्य निर्विघ्न संपन्न होता है। उन्होंने बताया कि जल्द ही नवीन कार्यकारिणी का गठन कर रामलीला को और अधिक भव्य-दिव्य बनाने की रूप रेखा तैयार की जाएगी। कार्यकारिणी में युवा और अनुभवी लोगों को जोडकर रामलीला के मचंन को नई ऊचांईयों तक ले जाया जाएगा, ताकि भगवान श्री राम के आदर्शो को नई पीढी तक बेहतर तरीके से पहुंचाया जा सके। इस मौके पर मदन लाल चौधरी, बॉबी ठाकुर, संजीब जाविया, देशबंधु अग्रवाल, कर्मवीर चौधरी, कपिल शर्मा, भगवत श्रृंगारी, लीला निर्देशक सत्य नारायण पुरोहित, बॉबी गोयल, श्यामू अगरारिया, चंद्रवर्धन अग्रवाल, पवन अग्रवाल आदि लोग मौजूद रहे।

बच्चों में गुस्से की है वजह माता-पिता की आदतें, समय रहते सुधारें व्यवहार

यूनिक समय, मथुरा। आपके बच्चे भी बहुत ज्यादा गुस्सैल हैं, तो इसके पीछे की वजह आपकी कुछ आदतें भी हो सकती हैं। जी हां, पेरेंट्स की इन आदतों की वजह से कई बार बच्चे गुस्सैल हो जाते हैं और इन्हें वक्त रहते आपको बदल लेना चाहिए।

आजकल के बच्चे बहुत ज्यादा गुस्सैल हो गए हैं और पेरेंट्स का भी यही कंसर्न रहता है कि बच्चे इतना गुस्सा क्यों करते हैं? लेकिन एक्सपर्ट्स भी मानते हैं कि बच्चों के गुस्सैल होने के पीछे पेरेंट्स का बिहेवियर हो सकता है। जी हां, अगर बच्चे तनाव ग्रस्त माहौल में बड़े होते हैं और पेरेंट्स भी गुस्सैल नेचर के होते हैं, तो इसका असर बच्चों के बिहेवियर पर भी पड़ता है और नतीजा यह होता है कि बच्चों में भी यह आदत डेवलप हो जाती है। ऐसे में आज हम आपको बताते हैं, पेरेंट्स की ऐसी 5 आदतें जिन्हे उन्हें आज ही सुधार लेना चाहिए।

बहुत ज्यादा अनुशासन के पीछे भागना

अक्सर माता-पिता को लगता है कि वह अगर घर में अनुशासन का माहौल बनाएंगे तो बच्चे बहुत अच्छे होंगे। लेकिन बहुत ज्यादा अनुशासन में रहने से बच्चे सहम जाते हैं और अनुशासित होने की जगह चिड़चिड़े और गुस्सैल हो जाते हैं।

पेरेंट्स की अटेंशन न मिलना

अक्सर यह प्रॉब्लम उन बच्चों के साथ होती है जिनके माता-पिता दोनों वर्किंग होते हैं और बच्चों को समय नहीं दे पाते हैं। इसके कारण पेरेंट्स की अटेंशन न मिलने के चलते बच्चे बहुत ज्यादा गुस्सैल हो जाते हैं, क्योंकि उनकी बात और उनकी फिलिंग्स को समझने वाला कोई नहीं होता है। ऐसे में भले ही आप वर्किंग हो अपने बच्चों के लिए थोड़ा समय जरूर निकालें।

बात बात पर रोक-टोक करना

कुछ पेरेंट्स ऐसे होते हैं जो अपने बच्चों की छोटी-छोटी गलती पर उन्हें टोकते हैं या वह कुछ काम भी करते हैं तो कहते हैं कि नहीं इसे ठीक तरीके से करो, यह गलत है। ऐसा करना भी बच्चे को गुस्सैल बना देता है।

पेरेंट्स का बहुत ज्यादा गुस्सा करना

जो पेरेंट्स अपने बच्चों पर बात-बात पर गुस्सा करते हैं, अक्सर उन बच्चों में चिड़-चिड़ेपन की आदत होती है। वह बच्चे बहुत ज्यादा गुस्सैल हो जाते हैं और बात-बात पर दूसरों को नीचा दिखाने लगते हैं। किसी से ज्यादा बात करना भी पसंद नहीं करते है, ऐसे में पेरेंट्स को अपने गुस्से को कंट्रोल करना चाहिए।

बच्चों के सामने माता-पिता का लड़ना

अक्सर हम इस बात को नजरअंदाज कर देते हैं कि हमारे घर में छोटा बच्चा है और माता-पिता अपने बच्चों के सामने ही एक दूसरे के साथ लड़ने लगते हैं, उन्हें भला बुरा कहते हैं। ऐसा करना उनकी मेंटल स्टेट पर बुरा असर डाल सकता है और यह बच्चों में गलत हैबिट डेवलप करता है। इतना ही नहीं बच्चे भी बड़े होकर ऐसी आदतों को अपनाते हैं।

सोशल मीडिया पर चल रहा ट्रेंड

क्या आंखों में हनी ड्रॉप डालना है फायदेमंद?

यूनिक समय, मथुरा। सोशल मीडिया पर कई बीमारियों के इलाज को लेकर बड़े दावे किए जाते हैं, जो लोगों के लिए खतरनाक हो सकते हैं। इन दिनों अमेरिका समेत कई यूरोपीय देशों में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर कई रील्स वायरल हो रही हैं, जिनमें दावा किया जा रहा है कि आंखों में शहद या हनी ड्रॉप्स डालने से फ्लोटर्स, ड्राइनेस और आंखों के इंफेक्शन से राहत मिल सकती है। भारत में भी सोशल साइट्स पर इस तरह की चीजें वायरल होती रहती हैं। अब सवाल है कि क्या वाकई शहद और इससे बने आई ड्रॉप्स आंखों के लिए फायदेमंद होते हैं?

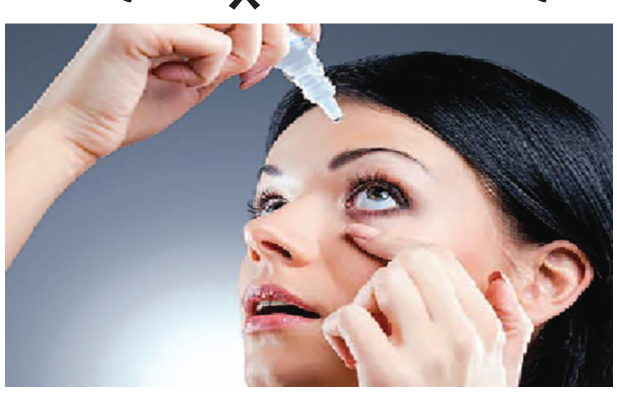

आंखों की ड्राइनेस, फ्लोटर्स या अन्य किसी भी परेशानी में लोगों को शहद या हनी ड्रॉप्स का इस्तेमाल करने की सलाह नहीं दी जाती है। आंखों की परेशानियों के लिए अलग-अलग आई ड्रॉप्स होते हैं, जो मरीज की कंडीशन के आधार पर सजेस्ट किए जाते हैं।

एक्सपर्ट की मानें तो लोगों को अपनी मर्जी से किसी भी तरह के आई ड्रॉप का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। गलत ड्रॉप डालने से आंखों की समस्याएं बढ़ सकती हैं और इंफेक्शन फैल सकता है। खाने वाले शहद को आंखों में डालना खतरनाक हो सकता है। इससे आंखों में इंफेक्शन समेत कई तरह की परेशानियां हो सकती हैं। आंखों के ड्रॉप्स बनाते समय उन्हें कई बार स्टेराइल किया जाता है, ताकि इंफेक्शन पैदा न हो।

आंखों में फ्लोटर्स दिखने की कई वजह होती हैं और अधिकतर मामलों में फ्लोटर्स से कोई नुकसान नहीं होता है। फ्लोटर्स के लिए कोई आई ड्रॉप नहीं होता है और कुछ कंडीशंस में फ्लोटर्स के लिए लेजर या अन्य सर्जिकल प्रोसीजर का सहारा लिया जाता है।

हालांकि ऐसा केवल रेयर मामलों में ही करने की सिफारिश की जाती है। ड्राइनेस के लिए भी लोगों को एक्सपर्ट द्वारा बताए गए लुब्रिकेंट ड्रॉप्स का इस्तेमाल करना चाहिए। हनी ड्रॉप्स को कुछ लिमिटेड स्टडीज में ड्राइनेस के लिए फायदेमंद माना गया है, लेकिन इसे ट्रीटमेंट के तौर पर इस्तेमाल करने की सलाह नहीं दी जाती है। लोगों को आंखों को लेकर किसी भी तरह की लापरवाही नहीं करनी चाहिए, वरना आंखों को गंभीर नुकसान हो सकता है और आंखें खराब हो सकती हैं।

मेकअप उतारने में जल्दबाजी त्वचा पर पड़ सकती है भारी

यूनिक समय, मथुरा। मेकअप हटाते समय त्वचा को रगड़ें नहीं। हमेशा हल्के हाथों से सर्कुलर मोशन में इसे क्लीन करें। खूबसूरत दिखने के लिए हो सकता है कि आप भी मेकअप का इस्तेमाल करती हों। ये स्किन को फ्लोलेस, ग्लोइंग और ब्राइट बनाने का काम करता है। लेकिन अगर आप इसे सही तरीके से उतारना नहीं जानती, तो ये मेकअप प्रोडक्ट आपकी स्किन के लिए खतरनाक साबित हो सकता है। अगर मेकअप सही तरीके से न उतरा तो स्किन पर कई तरह की समस्याएं शुरू हो सकती हैं जैसे, मुंहासे, पोर्स क्लोज, स्किन ड्राई होना आदि। इसलिए यह जानना जरूरी है कि मेकअप को सही तरीके से किस तरह हटाना चाहिए। तो चलिए आज हम आपको बताते हैं कि आप प्रोफेशनल तरीके से स्किन से मेकअप को किस तरह हटाएं और स्किन को प्रॉब्लम फ्री रखें।

सही प्रोडक्ट का इस्तेमालः बेहतर होगा कि आप मेकअप उतारने के लिए ऑयल-बेस्ड मेकअप रिमूवर या मिकेलर वॉटर का उपयोग करें। ये सभी तरह के मेकअप को आसानी से हटा सकता है, खासतौर पर वाटरप्रूफ मेकअप। आप क्लींजिंग ऑयल या बाम का इस्तेमाल भी कर सकते हैं।

आंखों का मेकअप हटाना : आंखों के आसपास की त्वचा को कॉटन पैड पर मिकेलर वॉटर या मेकअप रिमूवर की मदद से साफ करें। इसे गीला कर कुछ सेकंड के लिए आंखों पर रखें और धीरे-धीरे पैड को नीचे की ओर ले जाते हुए मेकअप हटाएं।

फेस मेकअप हटानाः चेहरे के मेकअप को हटाने के लिए क्लींजिंग बाम या क्लींजिंग ऑयल को पूरे चेहरे पर लगाएं और हल्के हाथों से मसाज करें। फिर चेहरे को गीला करें और मालिश करते हुए इसे क्लीन करें। इसके बाद, गुनगुने पानी से चेहरा धो लें।

लिप मेकअप हटानाः लिपस्टिक को हटाने के लिए अब आप एक कॉटन पैड पर मिकेलर वॉटर या क्लींजिंग ऑयल लें और धीरे-धीरे होठों से मेकअप को साफ करें। अधिक रगड़ें नहीं। साफ करने के लिए आप कोल्ड क्रीम की भी मदद ले सकते हैं।

डबल क्लिंजिंग : मेकअप हटाने के बाद डबल क्लिंजिंग जरूर करें। पहले मेकअप रिमूवर से मेकअप को हटा लें और फिर माइल्ड फेस वॉश से स्किन को साफ करें। इस तरह त्वचा से सभी प्रकार के मेकअप हट जाएंगे।

मॉइस्चराइजिंग और हाइड्रेशनः मेकअप हटाने के बाद स्किन को मॉइस्चराइज करना जरूरी है। आप अपनी स्किन के मुताबिक, एक अच्छा मॉइस्चराइजर लगाएं और संभव हो तो टोनर का भी उपयोग करें।

इन बातों का करें ख्यालः मेकअप हटाने के बाद हाइड्रेटिंग मिस्ट या सीरम का उपयोग जरूर करें। इससे स्किन पर नमी बनी रहती है। मेकअप हटाते समय त्वचा को रगड़ें नहीं। हमेशा हल्के हाथों से सर्कुलर मोशन में इसे क्लीन करें। हफ्ते में एक बार लाइट एक्सफोलिएटर का उपयोग करें। ऐसा करने से त्वचा के पोर्स क्लीन हो जाते हैं और डेड स्किन सेल्स हट जाते हैं।

बेतवा किनारे बसा है इतिहास का अनोखा नगर ओरछा

यूनिक समय, मथुरा। मध्य प्रदेश के टीकमगढ़ जिले में स्थित ओरछा एक ऐतिहासिक नगर है, जो आज भी अपनी राजसी भव्यता, धार्मिक आस्था और सांस्कृतिक विरासत को संजोए हुए है। 16वीं शताब्दी की शुरुआत में राजा रुद्र प्रताप सिंह द्वारा स्थापित यह नगर कभी बुंदेला राजवंश की राजधानी रहा। बेतवा नदी के किनारे बसा ओरछा आज भी पर्यटकों को इतिहास, वास्तुकला और प्रकृति का अनोखा अनुभव देता है।

ओरछा का नाम संस्कृत के "उद्योतका" शब्द से निकला माना जाता है, जिसका अर्थ है- "छोटा सा प्रकाश", लेकिन आज यह नगर अपने महलों, मंदिरों और स्मारकों की भव्य रोशनी से जगमगा रहा है।

राजा महलः बुंदेला शासकों का मुख्य निवास स्थान रहा यह महल अपनी दीवारों और छतों पर की गई चित्रकारी के लिए प्रसिद्ध है। भगवान राम और कृष्ण की कथाएँ इन चित्रों में जीवंत हो उठती हैं।

जहांगीर महलः मुगल सम्राट जहांगीर के स्वागत हेतु राजा बीर सिंह देव ने इस महल का निर्माण कराया। इसमें मुगल और राजपूत स्थापत्य का सुंदर मेल देखने को मिलता है।

राम राजा मंदिरः यह भारत का एकमात्र मंदिर है जहाँ

भगवान राम को एक राजा के रूप में पूजा जाता है। यहां के प्रहरी बदली की सैन्य प्रक्रिया इसे अनूठा बनाती है।

चतुर्भुज मंदिरः यह मंदिर ऊंचे चबूतरे पर स्थित है और इसकी वास्तुकला अत्यंत भव्य है। इसे भगवान राम के लिए बनवाया गया था, लेकिन उनकी मूर्ति राम राजा मंदिर में स्थापित कर दी गई।

लक्ष्मीनारायण मंदिरः इसमें धार्मिक और युद्ध संबंधी चित्रण अद्भुत रूप में मौजूद हैं, जो कला प्रेमियों के लिए विशेष आकर्षण हैं।

छतरियाँः बेतवा नदी के किनारे स्थित ये स्मारक बुंदेला राजाओं की स्मृति में बने हैं और सूर्यास्त के समय विशेष रूप से मनमोहक लगते हैं।

प्राकृतिक आनंद और रोमांच

ओरछा रिवर राफ्टिंग, ट्रैकिंग, बर्ड वॉचिंग और फोटोग्राफी जैसे साहसिक और प्रकृति आधारित अनुभव भी प्रदान करता है। मानसून के बाद का समय इन गतिविधियों के लिए उत्तम माना जाता है।

कैसे पहुँचेः निकटतम रेलवे स्टेशनः झाँसी जंक्शन (18 किमी)। निकटतम **हवाई अड्डाः** ग्वालियर (120 किमी), खजुराहो (175 किमी)।

सड़क मार्गः झांसी से टैक्सी या बस द्वारा आसान पहुँच। अक्टूबर से मार्च के बीच का समय ओरछा की यात्रा के लिए सबसे उपयुक्त है। ओरछा केवल एक पर्यटन स्थल नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति, विरासत और अध्यात्म का जीवंत चित्र है।

सम्पादकीय

पंजाब में अनाज का हिसाब, सरकार के लिए बड़ा सवाल

पंजाब की पहचान खेतों, किसानों और अनाज से है। ऐसे राज्य में यदि अनाज की खरीद और भंडारण को लेकर घोटाले के आरोप उठें तो मामला केवल सरकारी धन की कथित हेराफेरी तक सीमित नहीं रहता, बल्कि किसानों के भरोसे और शासन की पारदर्शिता से भी जुड़ जाता है। यही वजह है कि पंजाब में अनाज खरीद को लेकर उठ रहे सवालों को हल्के में नहीं लिया जा सकता।

पवन गौतम
संपादक

सबसे बड़ा सवाल यह है कि जिन आरोपों की जड़ पिछली सरकार के कार्यकाल तक जाती है, उनकी जांच और कार्रवाई आगे क्यों नहीं बढ़ रही? खाद्य एवं आपूर्ति विभाग से जुड़े पुराने मामले में जांच हुई, गिरफ्तारियां हुईं और एक अधिकारी को भगोड़ा घोषित किया गया। प्रवर्तन निदेशालय की कार्रवाई भी हुई। इसके बावजूद यदि नए आरोप सामने आ रहे हैं तो सरकार को स्वयं आगे बढ़कर स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए। व्हिसल ब्लोअर गुरप्रीत सिंह ने अनाज की खरीद, निविदाओं और कथित फर्जी बिलों को लेकर गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका दावा है कि कागजों पर खरीद और वास्तविक खरीद में अंतर रहा तथा सरकारी धन को नुकसान पहुंचाया गया। इन आरोपों की सच्चाई जांच के बाद ही सामने आ सकती है, लेकिन आरोप इतने गंभीर हैं कि उनकी स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच आवश्यक हो जाती है। बोरियों की खरीद को लेकर भी विपक्ष की ओर से कीमतों में भारी अंतर के आरोप लगाए जा चुके हैं। यदि सरकारी खरीद में वास्तव में बाजार मूल्य से बहुत अधिक भुगतान हुआ है तो इसकी जिम्मेदारी तय होनी चाहिए। सार्वजनिक धन का एक–एक रुपया जनता के प्रति जवाबदेही मांगता है। पंजाब की राजनीति में यह मामला इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि राज्य में विधानसभा चुनाव दूर नहीं हैं। सत्ता पक्ष के लिए सबसे बेहतर रास्ता यही होगा कि आरोपों को राजनीतिक साजिश बताकर खारिज करने के बजाय दस्तावेजों के साथ जवाब दे। जांच में यदि आरोप गलत निकलते हैं तो सरकार की स्थिति मजबूत होगी और यदि अनियमितता सामने आती है तो दोषियों पर कार्रवाई से शासन की विश्वसनीयता बढ़ेगी। किसान जिस अनाज से देश का पेट भरता है, उसी अनाज की खरीद में पारदर्शिता पर सवाल उठना गंभीर चिंता का विषय है। पंजाब सरकार के सामने अब केवल आरोपों का राजनीतिक जवाब देने की चुनौती नहीं, बल्कि अनाज के पूरे हिसाब को जनता के सामने साफ रखने की जिम्मेदारी भी है। क्योंकि चुनाव में जनता भाषण नहीं, हिसाब मांगती है।

स्कैन करें
संपादकीय सुनने के लिए मोबाइल से QR कोड को स्कैन करें।

नजरिया

कृष्ण का जीवन–दर्शन आज भी दिखाता धर्म की राह

भगवान श्रीकृष्ण भारतीय संस्कृति के ऐसे विराट व्यक्तित्व हैं, जिनकी प्रासंगिकता किसी एक युग, धर्मग्रंथ या धार्मिक पर्व तक सीमित नहीं है। वे भारतीय जनमानस में हजारों वर्षों से जीवंत हैं। उनके व्यक्तित्व में बाल सुलभ चंचलता है तो गंभीर दार्शनिक दृष्टि भी, प्रेम की कोमलता है तो अन्याय के विरुद्ध संघर्ष का साहस भी, मित्रता की आत्मीयता है तो नेतृत्व की अद्भुत क्षमता भी। यही विविधता श्रीकृष्ण को केवल आराध्य नहीं, बल्कि जीवन को समझने की दृष्टि देने वाला व्यक्तित्व बनाती है।

जन्माष्टमी इसी विराट व्यक्तित्व को स्मरण करने का अवसर है। भाद्रपद कृष्ण अष्टमी की मध्यरात्रि में मथुरा के कारागार में श्रीकृष्ण का जन्म अत्याचार और भय के वातावरण में हुआ था। कंस के शासन में प्रजा आतंकित थी और अन्याय का बोलबाला था। ऐसे समय कृष्ण का अवतरण केवल एक धार्मिक घटना नहीं, बल्कि आशा के जन्म का प्रतीक बन गया। यह संदेश देता है कि अत्याचार कितना भी शक्तिशाली क्यों न दिखाई दे, उसके विरुद्ध परिवर्तन की शक्ति किसी न किसी रूप में अवश्य जन्म लेती है।

कृष्ण के बाल्यकाल की लीलाएं आज भी लोगों को आकर्षित करती हैं। माखन चोरी, ग्वाल–बालों के साथ खेलना, गोपियों के साथ रास और यमुना तट की उनकी स्मृतियां कृष्ण को जन–जन का अपना बना देती हैं। लेकिन इन लीलाओं के पीछे केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि जीवन के अनेक गहरे संदेश भी छिपे हैं। कृष्ण का बाल रूप यह बताता है कि जीवन में सहजता, आनंद और प्रेम का भी उतना ही महत्व है, जितना ज्ञान और गंभीरता का। उनके जीवन का एक महत्वपूर्ण पक्ष करुणा है। पूतना के प्रसंग में जहां उसकी दुष्टता का अंत होता है, वहीं उसे मातृत्व का सम्मान भी मिलता है। यह प्रसंग कृष्ण के उस दृष्टिकोण को सामने लाता है, जिसमें व्यक्ति के भीतर छिपे मानवीय पक्ष को भी देखा जाता है। उनके लिए दुष्टता का विरोध आवश्यक था, लेकिन घृणा जीवन का आधार नहीं थी। कृष्ण की मित्रता भी भारतीय संस्कृति में आदर्श के रूप में स्थापित है। सुदामा के साथ उनका संबंध इसका सबसे सुंदर उदाहरण है। बचपन का निर्धन मित्र जब द्वारका पहुंचता है तो कृष्ण राजसी वैभव और मित्र की गरीबी के बीच कोई दीवार नहीं खड़ी होने देते। वे सुदामा का स्वागत उसी आत्मीयता से करते हैं, जैसे कोई वर्षों बाद मिले अपने प्रिय मित्र का करता है। यह प्रसंग आज के उस समय में विशेष महत्व रखता है, जब संबंधों पर स्वार्थ और आर्थिक हैसियत का प्रभाव बढ़ता दिखाई देता है। कृष्ण का व्यक्तित्व केवल प्रेम और करुणा तक सीमित नहीं था। वे असाधारण राजनीतिक दृष्टि रखने वाले दूरदर्शी नेतृत्वकर्ता भी थे। महाभारत के कठिन दौर में उन्होंने परिस्थितियों को समझते हुए ऐसे निर्णय लिए, जिनका उद्देश्य धर्म और न्याय की रक्षा था। उन्होंने युद्ध को कभी पहली पसंद नहीं बनाया। शांति का प्रयास किया, समझौते की संभावनाएं तलाशीं, लेकिन जब सभी रास्ते बंद हो गए और अन्याय के सामने झुकना ही विकल्प बचा, तब धर्म की रक्षा के लिए संघर्ष का मार्ग अपनाया।

यही कृष्ण के जीवन–दर्शन का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष है–धर्म का अर्थ निष्क्रियता नहीं है। अन्याय देखकर मौन रहना धर्म नहीं हो सकता। जहां आवश्यक हो, वहां सत्य और न्याय के पक्ष में खड़ा होना भी धर्म है। कृष्ण का जीवन बताता है कि केवल अच्छे विचार रखना पर्याप्त नहीं, उन्हें परिस्थितियों के अनुरूप कर्म में बदलना भी जरूरी है।

महाभारत के युद्ध में अर्जुन का मोह और संशय मानव मन के उस द्वंद्व का प्रतीक है, जिससे हर व्यक्ति कभी न कभी गुजरता है। अपने सामने कठिन निर्णय हो तो मनुष्य भावनाओं, संबंधों और परिणामों को लेकर उलझ जाता है। अर्जुन भी इसी मानसिक स्थिति में थे। तब कृष्ण ने उन्हें भगवगीता का ज्ञान दिया। उन्होंने कर्म, कर्तव्य, आत्मा, योग और धर्म की ऐसी व्याख्या की, जिसकी प्रासंगिकता हजारों वर्षों बाद भी बनी हुई है। गीता का कर्मयोग विशेष रूप से आज के समय के लिए महत्वपूर्ण है। मनुष्य अक्सर परिणाम की चिंता में वर्तमान कर्म से विमुख हो जाता है। सफलता मिलेगी या असफलता, सम्मान मिलेगा या अपमान, लाभ होगा या हानि–इन सवालों में उलझकर वह अपने कर्तव्य को भूल जाता है। कृष्ण का संदेश है कि मनुष्य को अपने उचित कर्म पर ध्यान देना चाहिए और उसके परिणाम को लेकर अत्यधिक आसक्ति से बचना चाहिए। यह

विचार जीवन में संतुलन और मानसिक दृढ़ता पैदा करता है। आज समाज अनेक चुनौतियों से घिरा हुआ है। परिवारों में दूरी बढ़ रही है, सामाजिक संबंधों में स्वार्थ प्रवेश कर रहा है, राजनीति में नैतिकता पर प्रश्न उठते हैं और व्यक्तिगत जीवन में तनाव बढ़ रहा है। ऐसे समय में कृष्ण का जीवन–दर्शन हमें कई स्तरों पर दिशा देता है। वे बताते हैं कि प्रेम जरूरी है, लेकिन विवेक के साथ, मित्रता जरूरी है, लेकिन निष्ठा के साथ, शक्ति जरूरी है, लेकिन उसका उपयोग न्याय के लिए होना चाहिए और ज्ञान तभी सार्थक है, जब वह कर्म को सही दिशा दे। कृष्ण का एक और बड़ा संदेश संतुलन का है। वे संसार से भागने की शिक्षा नहीं देते। वे राजसत्ता से जुड़े, परिवार का दायित्व निभाया, मित्रता निभाई, युद्धभूमि में सारथी बने और साथ ही योगेश्वर कहलाए। उनके जीवन में अध्यात्म और व्यवहार का अद् भुत संतुलन दिखाई देता है। यही कारण है कि कृष्ण साधु–संतों के लिए जितने महत्वपूर्ण हैं, सामान्य गृहस्थ के लिए भी उतने ही प्रासंगिक हैं। कृष्ण की राजनीति भी केवल सत्ता प्राप्त करने की राजनीति नहीं थी। उसमें दूरदर्शिता, परिस्थिति की समझ और लोककल्याण का भाव दिखाई देता है। वे जानते थे कि हर समस्या का समाधान शक्ति के प्रयोग से नहीं हो सकता। कई बार संवाद, नीति और रणनीति की आवश्यकता होती है। लेकिन जब संवाद की सभी संभावनाएं समाप्त हो जाएं, तब अन्याय के सामने आत्मसमर्पण करना भी उचित नहीं। आज जन्माष्टमी पर देशभर में मंदिर सजेंगे। झांकियां निकाली जाएंगी, भजन–कीर्तन होंगे और मध्यरात्रि में शंख–घंटियों के बीच श्रीकृष्ण जन्म का उत्सव मनाया जाएगा। मथुरा और वृंदावन सहित पूरे ब्रज में आस्था का सागर उमड़ेगा। यह उत्सव हमारी सांस्कृतिक चेतना को जोड़ने वाला महत्वपूर्ण अवसर है। लेकिन कृष्ण के प्रति सच्ची श्रद्धा केवल उनके जन्म का उत्सव मनाने तक सीमित नहीं रहनी चाहिए।

यदि जन्माष्टमी हमें प्रेम करना सिखाए, तो उसका अर्थ केवल अपने प्रियजनों से प्रेम नहीं, बल्कि समाज के कमजोर और वंचित व्यक्ति के प्रति करुणा भी होना चाहिए। यदि कृष्ण हमें धर्म की प्रेरणा देते हैं, तो उसका अर्थ अन्याय के विरुद्ध आवाज उठाना भी होना चाहिए। यदि गीता हमें कर्म का संदेश देती है, तो उसका अर्थ अपने दायित्वों को ईमानदारी से निभाना भी होना चाहिए। श्रीकृष्ण इसलिए अमर हैं क्योंकि उन्होंने जीवन के हर रंग को स्वीकार किया। वे बालक भी हैं, मित्र भी, प्रेमी भी, योद्धा भी, सारथी भी, रणनीतिकार भी और योगेश्वर भी। उनका जीवन बताता है कि मनुष्य को किसी एक भूमिका में बंधकर नहीं रहना चाहिए। परिस्थितियां जैसी हों, उनके अनुरूप विवेकपूर्ण निर्णय लेना और अपने कर्तव्य से विमुख न होना ही जीवन की सार्थकता है। जन्माष्टमी के इस पावन अवसर पर कृष्ण को केवल मंदिरों में खोजने के बजाय अपने आचरण में खोजने की आवश्यकता है। सत्य के साथ खड़े होने में कृष्ण हैं, सच्ची मित्रता में कृष्ण हैं, करुणा में कृष्ण हैं, कर्तव्यनिष्ठा में कृष्ण हैं और अन्याय के विरुद्ध संघर्ष के साहस में भी कृष्ण हैं। यही उनके जीवन–दर्शन की वास्तविक शक्ति है।

युग बदलेंगे, परिस्थितियां बदलेंगी और समाज के सामने नई चुनौतियां आएंगी, लेकिन कृष्ण का संदेश तब भी उतना ही प्रासंगिक रहेगा। क्योंकि कृष्ण किसी एक कालखंड के नहीं, बल्कि मानव जीवन की शाश्वत जिज्ञासाओं और संघर्षों के उत्तर हैं। उनका विराट व्यक्तित्व आने वाली पीढ़ियों को भी यही प्रेरणा देता रहेगा कि जीवन में प्रेम हो, कर्म में निष्ठा हो, निर्णय में विवेक हो और धर्म के मार्ग पर चलने का साहस हो।

विचार विंडो

अंतरिक्ष में भारत की बढ़ती ताकत का प्रतीक जीएसएलवी–एफ17

राम प्रकाश शर्मा

अंतरिक्ष केवल वैज्ञानिक उपलब्धियों का क्षेत्र नहीं, बल्कि आज किसी राष्ट्र की तकनीकी क्षमता, रणनीतिक शक्ति और आत्मनिर्भरता का भी महत्वपूर्ण आधार बन चुका है। ऐसे समय में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन द्वारा जीएसएलवी–एफ17 के प्रक्षेपण की तैयारी देश के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि है। चार सितंबर को श्रीहरिकोटा से प्रस्तावित यह प्रक्षेपण केवल एक उपग्रह को अंतरिक्ष में स्थापित करने का अभियान नहीं, बल्कि भारत की बढ़ती अंतरिक्ष क्षमता और आत्मविश्वास का भी परिचायक है।

जीएसएलवी–एफ17 के माध्यम से पृथ्वी अवलोकन उपग्रह ईओएस–05 को अंतरिक्ष में भेजा जाना प्रस्तावित है। यह उपग्रह पृथ्वी की निगरानी और चित्र लेने की अत्याधुनिक क्षमता से लैस है। इसकी उपयोगिता केवल वैज्ञानिक अध्ययन तक सीमित नहीं होगी। प्राकृतिक आपदाओं की निगरानी, मौसम संबंधी आकलन, कृषि, वन संपदा, जल संसाधनों और राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे अनेक क्षेत्रों में इससे प्राप्त आंकड़े महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

भारत जैसे विशाल और विविध भौगोलिक परिस्थितियों वाले देश के लिए पृथ्वी की निरंतर निगरानी की क्षमता विशेष महत्व रखती है। बाढ़, चक्रवात, जंगल की आग, बादल फटने जैसी प्राकृतिक आपदाओं के समय जितनी जल्दी और सटीक जानकारी उपलब्ध हो, राहत एवं बचाव कार्य उतने ही प्रभावी ढंग से संचालित किए जा सकते हैं। खेती के क्षेत्र में फसल की स्थिति, वन क्षेत्रों में बदलाव और जल निकायों की निगरानी भी उपग्रह आधारित तकनीक से अधिक प्रभावी हो सकती है। इस दृष्टि से ईओएस–05 का महत्व व्यापक है।

इस मिशन का एक दूसरा महत्वपूर्ण पक्ष इसरो के आत्मविश्वास से जुड़ा है। वर्ष 2021 में जीएसएलवी–एफ10 के क्रायोजेनिक चरण में आई तकनीकी समस्या के कारण ईओएस–03 मिशन सफल नहीं हो सका था। अंतरिक्ष अभियानों में असफलताएं असामान्य नहीं हैं, लेकिन प्रत्येक विफलता से सीख लेकर आगे बढ़ना ही किसी वैज्ञानिक संस्था की वास्तविक शक्ति होती है। इसरो ने भी यही किया। तकनीकी कारणों की समीक्षा, सुधार और परीक्षण के बाद अब वह एक नए अभियान के साथ आगे बढ़ रहा है।

किसी भी अंतरिक्ष अभियान की सफलता केवल प्रक्षेपण के कुछ मिनटों पर निर्भर नहीं होती। इसके पीछे वर्षों का वैज्ञानिक अनुसंधान, इंजीनियरों की मेहनत, परीक्षणों की लंबी प्रक्रिया और अत्यंत सटीक गणना होती है। इसलिए किसी प्रक्षेपण की सफलता देश के वैज्ञानिक तंत्र के सामूहिक परिश्रम की सफलता होती है। जीएसएलवी–एफ17 की सफलता इसरो के वैज्ञानिकों और अभियंताओं के आत्मविश्वास को मजबूत करने के साथ देश में विज्ञान के प्रति विश्वास को भी बढ़ाएगी।

भारत की अंतरिक्ष यात्रा अब उस दौर में प्रवेश कर चुकी है, जहां लक्ष्य केवल उपग्रह प्रक्षेपित करना नहीं, बल्कि अंतरिक्ष तकनीक के माध्यम से देश की आर्थिक, सामाजिक और सामरिक आवश्यकताओं को पूरा करना है। संचार, मौसम, नौवहन, पृथ्वी अवलोकन और वैज्ञानिक अनुसंधान से लेकर मानव अंतरिक्ष उड़ान तक भारत की योजनाएं लगातार विस्तार पा रही हैं। गगनयान जैसे अभियान इसी व्यापक अंतरिक्ष दृष्टि का हिस्सा हैं।

इसरो की सबसे बड़ी विशेषताओं में एक यह भी है कि उसने सीमित संसाधनों के बीच अपनी तकनीकी क्षमता विकसित की। क्रायोजेनिक इंजन जैसी जटिल तकनीक में आत्मनिर्भरता हासिल करना आसान नहीं था। लेकिन लगातार प्रयासों ने भारत को उन चुनिंदा देशों की श्रेणी में पहुंचाया, जो ऐसी उन्नत प्रक्षेपण तकनीक विकसित करने में सक्षम हैं। आज भारत की अंतरिक्ष क्षमता केवल राष्ट्रीय गौरव का विषय नहीं, बल्कि वैश्विक स्तर पर उसकी बढ़ती भूमिका का आधार भी है।

ईओएस–05 जैसे उपग्रह राष्ट्रीय सुरक्षा की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण हो सकते हैं। सीमावर्ती क्षेत्रों और संवेदनशील इलाकों की निगरानी में अंतरिक्ष आधारित संसाधनों का महत्व लगातार बढ़ रहा है। हालांकि अंतरिक्ष का उपयोग युद्ध के बजाय विकास और मानव कल्याण के लिए अधिक होना चाहिए, फिर भी बदलती वैश्विक परिस्थितियों में किसी राष्ट्र के लिए अपनी रणनीतिक क्षमताओं को मजबूत रखना आवश्यक है।

इस दृष्टि से पृथ्वी अवलोकन क्षमता देश की समग्र सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करती है। इस अभियान का महत्व इसलिए भी बढ़ जाता है क्योंकि अंतरिक्ष क्षेत्र में निजी भागीदारी और नई तकनीकों का विस्तार तेजी से हो रहा है। आने वाले समय में भारत को अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था में अपनी हिस्सेदारी बढ़ानी होगी। इसके लिए केवल सरकारी संस्थाओं की क्षमता पर्याप्त नहीं होगी, बल्कि विश्वविद्यालयों, अनुसंधान संस्थानों और निजी उद्योगों के बीच बेहतर समन्वय भी आवश्यक होगा। इसरो को नेतृत्वकारी भूमिका निभाते हुए नई पीढ़ी के वैज्ञानिकों और तकनीकी विशेषज्ञों को अवसर देना होगा। जीएसएलवी–एफ17 का प्रक्षेपण इसलिए किसी एक दिन की घटना नहीं है। यह भारत की उस लंबी यात्रा की अगली कड़ी है, जिसमें वैज्ञानिक आत्मनिर्भरता को राष्ट्रीय विकास से जोड़ा गया है। एक सफल प्रक्षेपण यह विश्वास मजबूत करेगा कि भारत जटिल से जटिल अंतरिक्ष अभियानों को अपने बल पर पूरा करने की क्षमता रखता है।

आज जब दुनिया अंतरिक्ष को भविष्य की अर्थव्यवस्था, संचार, सुरक्षा और अनुसंधान का महत्वपूर्ण क्षेत्र मान रही है, तब भारत के लिए पीछे रहने का कोई विकल्प नहीं है। आवश्यकता है कि वैज्ञानिक उपलब्धियों को केवल उत्सव तक सीमित न रखा जाए, बल्कि उनके लाभ को आम नागरिक तक पहुंचाया जाए। जीएसएलवी–एफ17 की सफलता इसी दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम होगी।

यह भारत को आकाश की ओर देखने का ही नहीं, बल्कि अंतरिक्ष से धरती की समस्याओं को बेहतर ढंग से समझने और उनका समाधान खोजने का अवसर देगा। वैज्ञानिक क्षमता, तकनीकी आत्मनिर्भरता और राष्ट्रीय आत्मविश्वास का यह मेल भारत की अंतरिक्ष यात्रा को आने वाले वर्षों में और ऊंचाई दे सकता है।

बोलीं- मुझे तो पता ही नहीं था कि इतने रिकॉर्ड टूट गए

124 रन ठोककर इतिहास रच गईं स्मृति मंधाना

यूनिक समय, नई दिल्ली। महिला टी20 एशिया कप 2026 में हांगकांग चाइना के खिलाफ स्मृति मंधाना ने ऐसी तूफानी पारी खेली, जिसने उन्हें क्रिकेट इतिहास के कई बड़े रिकॉर्ड्स की लिस्ट में सबसे ऊपर पहुंचा दिया। भारतीय टीम ने इस मुकाबले को 137 रनों के बड़े अंतर से अपने नाम किया, लेकिन मैच का सबसे बड़ा आकर्षण स्मृति मंधाना की शानदार बल्लेबाजी रही। उन्होंने 124 रनों की ऐतिहासिक शतकीय पारी खेली और अपनी बल्लेबाजी के दौरान कई बड़े रिकॉर्ड तोड़ डाले। हालांकि, मैच खत्म होने के बाद जब उनसे इन रिकॉर्ड्स को लेकर सवाल किया गया तो उनका जवाब सुनकर हर कोई हैरान रह गया।

स्मृति मंधाना ने बीसीसीआई की ओर से शेयर किए गए वीडियो में बताया कि उन्हें इस बात की जानकारी ही नहीं थी कि उनकी पारी के दौरान इतने रिकॉर्ड टूट चुके हैं। उन्होंने कहा कि उनका पूरा ध्यान सिर्फ रन बनाने और टीम को जीत दिलाने पर रहता है। उनके लिए यह ज्यादा मायने रखता है कि टीम ने कितने मैच जीते, न कि उन्होंने व्यक्तिगत तौर पर कितने रिकॉर्ड बनाए या तोड़े। स्मृति ने यह भी कहा कि उन्होंने कभी सपने में भी नहीं सोचा था कि वह 10 हजार अंतरराष्ट्रीय रन के आंकड़े तक पहुंचेंगी या उससे आगे निकल जाएंगी।

हांगकांग चाइना के खिलाफ 124 रन की पारी के साथ स्मृति मंधाना महिला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ी बन गईं। इसके अलावा तीनों फॉर्मेट को मिलाकर सबसे ज्यादा अंतरराष्ट्रीय शतक लगाने के मामले में भी उन्होंने नंबर एक स्थान हासिल कर लिया। इतनी बड़ी उपलब्धियों के बावजूद स्मृति का ध्यान रिकॉर्ड्स के बजाय टीम की जीत पर रहा। उन्होंने कहा कि वह अभी 30 साल की हैं और उनके पास क्रिकेट खेलने के लिए आगे कई साल बाकी हैं।

वरुण धवन की वायरल स्माइल पर समय रैना ने किया मजाक

यूनिक समय, नई दिल्ली। कॉमेडियन समय रैना एक बार फिर अपने खास अंदाज से दर्शकों को हंसाने के लिए तैयार हैं। 'इंडियाज गॉट लेटेंट 2' का नया एपिसोड 4 सितंबर को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होने वाला है, जिसमें बॉलीवुड एक्टर वरुण धवन और मेधा शंकर बतौर गेस्ट नजर आएंगे। शो का प्रोमो सामने आते ही सोशल मीडिया पर चर्चा शुरू हो गई है। खास बात यह है कि इस एपिसोड में समय रैना ने वरुण धवन की उस सिग्नेचर स्माइल की नकल कर दी, जो पहले भी सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो चुकी है। इतना ही नहीं, कॉमेडियन निशांत तंवर ने भी वरुण की एक्टिंग को लेकर ऐसा मजाक किया कि सेट पर मौजूद सभी लोग हंस पड़े। प्रोमो में वरुण धवन एक कंटेस्टेंट से परफॉर्म करने के लिए कहते नजर आते हैं। जब कंटेस्टेंट कहता है

कि वह एक्टिंग कर सकता है तो निशांत तंवर मजाकिया अंदाज में वरुण की एक्टिंग पर तंज कस देते हैं। उनकी बात सुनकर वहां मौजूद सभी लोग हंसने लगते हैं और वरुण भी इसे दिल पर लेने के बजाय मजाकिया अंदाज में रिएक्ट करते हैं। इसके बाद माहौल और भी मजेदार हो जाता है। आगे वरुण धवन समय रैना को स्टेज पर बुलाते हैं और दोनों को आमने-सामने एक्टिंग करने के लिए कहते हैं। समय सुझाव देते हैं कि तीनों को जानवरों की तरह एक्टिंग करनी चाहिए। इसके बाद वह खुद एक्टिंग शुरू करते हैं, लेकिन तभी वह वरुण धवन की सिग्नेचर साइड-स्माइल की हूबहू नकल कर देते हैं। समय का यह एक्सप्रेशन देखते ही वरुण भी अपनी वही ट्रेडमार्क स्माइल दोहराने लगते हैं। दोनों को एक साथ ऐसा करते देख दर्शकों की हंसी छूट जाती है। प्रोमो का यह हिस्सा सोशल मीडिया पर खासा मजेदार माना जा रहा है। 'इंडियाज गॉट लेटेंट 2' का छठा एपिसोड 4 सितंबर को नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगा। शो के इस खास एपिसोड में वरुण धवन और मेधा शंकर के साथ अन्य पैनलिस्ट भी नजर आएंगे।

वहीं, वरुण धवन इन दिनों अपनी प्रोफेशनल लाइफ के साथ-साथ निजी जिंदगी को लेकर भी सुर्खियों में हैं। वह आखिरी बार 'है जवानी तो इश्क होना है' में नजर आए थे, जिसमें मृणाल ठाकुर और पूजा हेगड़े भी अहम भूमिकाओं में थीं। इसके अलावा उनका नया खेत भी इन दिनों चर्चा का विषय बना हुआ है।

जेसन गिलेस्पी ने आकिब जावेद को दिखाया आईना

पाकिस्तान क्रिकेट में मचा बवाल

बोले- 'रोज पैंट बदलने की तरह बदलते हैं फैसला

यूनिक समय, नई दिल्ली। पाकिस्तान क्रिकेट टीम इन दिनों मैदान से ज्यादा अपने फैसलों को लेकर सुर्खियों में है। इंग्लैंड दौरे पर शुरुआती दो टेस्ट मैचों में मिली हार के बाद पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने स्क्वाड में शामिल 7 खिलाड़ियों को बीच दौरे से ही वापस बुला लिया। इस फैसले ने हर किसी को हैरान कर दिया। इसके बाद हेड कोच सरफराज अहमद और गेंदबाजी कोच उमर गुल को भी उनके पद से हटा दिया गया। अब पाकिस्तान के पूर्व हेड कोच जेसन गिलेस्पी ने इस पूरे घटनाक्रम पर खुलकर नाराजगी जताई है और चेयरमैन ऑफ सिलेक्टर आकिब जावेद पर जमकर निशाना साधा है।

जेसन गिलेस्पी ने 'द ऑस्ट्रेलियन' को दिए इंटरव्यू में कहा कि उन्हें पाकिस्तान के खिलाड़ियों के लिए बेहद बुरा लग रहा है, क्योंकि क्रिकेट ही उनकी रोजी-रोटी है। उनके मुताबिक, बाहर से देखने पर ऐसा लगता है कि खिलाड़ी डर के माहौल में क्रिकेट खेल रहे हैं। उन्होंने कप्तान सलमान अली आगा का उदाहरण देते हुए कहा कि वह इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में टीम की कप्तानी करते हैं, फिर दूसरे टेस्ट के लिए टीम से बाहर हो जाते हैं और तीसरे टेस्ट से पहले ही घर लौटने वाली फ्लाइट में बैठ जाते हैं। गिलेस्पी ने सवाल उठाया कि आखिर ऐसा कैसे हो सकता है और इसके लिए उन्होंने सीधे तौर पर आकिब जावेद को जिम्मेदार ठहराया। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज ने आकिब जावेद की चयन नीति पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि मौजूदा हालात देखकर साफ लगता है कि सिलेक्शन को लेकर कोई ठोस रणनीति नहीं है। गिलेस्पी ने तीखे अंदाज में कहा कि आकिब अपना मन ऐसे बदलते हैं जैसे रोज पैंट बदलते हैं। उनके इस बयान ने पाकिस्तान क्रिकेट में चल रही अंदरूनी खींचतान को और हवा दे दी है।

गिलेस्पी ने यह भी बताया कि आकिब जावेद ने पाकिस्तान टीम में चल रही परेशानियों के लिए उन्हें और पूर्व लिमिटेड ओवर्स कोच गैरी कर्स्टन को जिम्मेदार ठहराया था। इस पर जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि आकिब पिछले दो साल से चेयरमैन ऑफ सिलेक्टर हैं, जबकि वे दोनों उस समय वहां मौजूद ही नहीं थे। उन्होंने सवाल किया कि फिर सारी जिम्मेदारी उनके ऊपर कैसे डाली जा सकती है। गिलेस्पी ने कहा कि आकिब जावेद को दूसरों पर आरोप लगाने के बजाय खुद को आईने में देखने की जरूरत है। उन्होंने यह भी कहा कि जिन खिलाड़ियों को टीम से हटाया गया, उनमें से कई को अपने बाहर होने की जानकारी परिवार, दोस्तों और मीडिया के जरिए मिली। उनके मुताबिक, खिलाड़ियों के लिए यह स्थिति बेहद अपमानजनक रही होगी।

घर खरीदने के लिए राखी सावंत ने रचाया था स्वयंवर

यूनिक समय, नई दिल्ली। राखी सावंत का नाम जब भी सामने आता है, उनके बेबाक अंदाज और चौंकाने वाले खुलासे चर्चा में आ जाते हैं। अब 'ड्रामा क्वीन' ने अपने सबसे चर्चित रियलिटी शो 'राखी का स्वयंवर' को लेकर ऐसा खुलासा किया है, जिसने हर किसी का ध्यान खींच लिया है। साल 2009 में आए इस शो में राखी को 16 पुरुषों में से अपना जीवनसाथी चुनना था, लेकिन अब अभिनेत्री ने बताया है कि उस वक्त उनका असली मकसद शादी करना नहीं, बल्कि पैसे कमाकर अपना घर खरीदना था।

कॉमेडियन रौनक रजानी के शो 'रिलेशनशिट एडवाइस' में पहुंचीं राखी ने बताया कि उस समय वह काफी नई थीं और उनका पूरा ध्यान बॉलीवुड में करियर बनाने पर था। उन्होंने कहा कि उन्हें प्यार या शादी की तलाश नहीं थी। उनके मुताबिक, शो में उनके सामने कई ऐसे लड़के लाए गए थे जो खुद भी संघर्ष कर रहे थे। राखी ने साफ शब्दों में बताया कि वह उस समय सिर्फ इतना चाहती थीं कि शो से मिलने वाले पैसे बैंक में जमा हों और वह लोखंडवाला में अपना घर खरीद सकें, क्योंकि तब वह किराए के मकान में रहती थीं।

राखी ने यह भी स्वीकार किया कि शो में दूल्हा तलाशने वाली पूरी कहानी उनके लिए असली मकसद नहीं थी।

बोली-मुझे बस हरे नोट चाहिए थे

एक तरफ स्क्रिप्ट और शो से जुड़ी चीजें चल रही थीं, तो दूसरी तरफ उन्हें मिलने वाली रकम उनके लिए ज्यादा महत्वपूर्ण थी।

'राखी का स्वयंवर' उस दौर में टीवी के सबसे चर्चित रियलिटी शोज में शामिल रहा। राम कपूर ने इसे होस्ट किया था और इसमें बिजनेसमैन, अभिनेता, मॉडल, पुलिसकर्मी, कोरियोग्राफर और फिटनेस ट्रेनर समेत कई लोग राखी से शादी करने के लिए पहुंचे थे। आखिर में राखी ने कनाडा के बिजनेसमैन एलेश परुजनवाला को चुना, लेकिन दोनों ने शादी नहीं की और केवल सगाई हुई। बाद में यह रिश्ता भी टूट गया।

राखी ने बाद में दूसरा स्वयंवर करने की इच्छा जताई थी, लेकिन यह शो कभी नहीं बन पाया। उनकी निजी जिंदगी में भी रिश्तों को लेकर कई उतार-चढ़ाव आए। उन्होंने बिग बॉस में रितेश सिंह को अपना नकली पति बनाकर पेश किया था, जबकि आदिल खान दुर्रानी से उनकी शादी 2023 में तलाक के साथ खत्म हो गई। राखी का कहना है कि कई रिश्तों में धोखा मिलने के बाद अब उनका प्यार पर भरोसा काफी हद तक उठ चुका है।

'मिर्जापुर द मूवी' ने मचाया भौकाल

यूनिक समय, नई दिल्ली। 'मिर्जापुर द मूवी' आखिरकार सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है और फिल्म को लेकर दर्शकों की प्रतिक्रियाएं भी सामने आने लगी हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर शुरुआती रिव्यू में फैंस ने फिल्म के जबरदस्त एक्शन, दमदार डायलॉग्स, बैकग्राउंड स्कोर और कलाकारों के अंदाज की जमकर तारीफ की है। खास तौर पर रवि किशन की एंट्री और दिव्येंदु शर्मा की 'मुन्ना भैया' के रूप में वापसी दर्शकों के बीच चर्चा का विषय बनी हुई है। फिल्म में पंकज त्रिपाठी, अली फजल, दिव्येंदु शर्मा, जितेंद्र कुमार, रवि किशन और रसिका दुग्गल जैसे कलाकार नजर आ रहे हैं।

एक दर्शक ने फिल्म को मनोरंजन से भरपूर बताते हुए पंकज त्रिपाठी और रवि किशन की तारीफ की। वहीं एक अन्य यूजर ने फिल्म को 4.5 स्टार देते हुए कहा कि यह किसी वेब सीरीज के लंबे एपिसोड जैसी नहीं, बल्कि थिएटर में देखने लायक पूरा सिनेमाई अनुभव है। दर्शकों ने

किसी ने दिए 4.5 स्टार तो किसी ने बताया धीमा

कहानी, एक्शन, अभिनय और क्लाइमैक्स को भी खूब सराहा। रवि किशन की 'बबुआ यादव' वाली एंट्री को लेकर भी फैंस काफी उत्साहित नजर आए।

हालांकि, फिल्म को लेकर सभी की राय एक जैसी नहीं है। कुछ दर्शकों ने इसे शोर-शराबे और दोहराव से भरी फिल्म बताया। एक यूजर ने पंकज त्रिपाठी और अली फजल के अभिनय की आलोचना करते हुए कहा कि कालीन भैया और गुड्डू पंडित के बीच पहले जैसा तनाव नजर नहीं आया। वहीं कुछ लोगों को फिल्म की रफ्तार भी धीमी लगी। 'मिर्जापुर द मूवी' की कहानी सीरीज की टाइमलाइन में पीछे जाती है और पहले सीजन के छठे और सातवें एपिसोड के बीच की घटनाओं को दिखाती है।

युवक का नदी में कूदते ही बदल गया आत्महत्या का इरादा

मदद के लिए चिल्लाया युवक, नाविकों ने ऐसे बचाई जान

यूनिक समय, मऊ। उत्तर प्रदेश के मऊ से एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां एक युवक ने कथित तौर पर आत्महत्या करने के इरादे से तमसा नदी पर बने रेलवे पुल से तेज बहाव में छलांग लगा दी।

लेकिन जैसे ही वह ठंडे पानी और तेज धारा में पहुंचा, उसका इरादा बदल गया। युवक अपनी जान बचाने के लिए संघर्ष करने लगा और मदद के लिए चिल्लाने लगा। तभी घाट पर मौजूद मल्लाह समाज के नाविकों ने बिना देर किए नदी में उतरकर उसकी जान बचा ली। इस पूरी घटना का वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, युवक के नदी में कूदते ही घाट पर मौजूद लोगों में हड़कंप मच गया। तेज बहाव के बीच युवक खुद को संभालने की कोशिश कर रहा था। कुछ ही देर में उसकी हालत देखकर वहां मौजूद नाविक मदद के लिए आगे आए।

उन्होंने अपनी नावें नदी में उतारीं और तेज धारा के बीच युवक तक पहुंचने की कोशिश शुरू कर दी। रेस्क्यू के दौरान नाविकों ने आपसी तालमेल और साहस का परिचय दिया। उन्होंने युवक को सुरक्षित पकड़ लिया और उसे नाव पर खींचकर बाहर निकाला।

इसके बाद उसे नदी के किनारे लाया गया। समय रहते हुए इस रेस्क्यू के कारण युवक की जान बच गई। नाविकों के इस साहसिक प्रयास की स्थानीय लोगों ने जमकर सराहना की।

घटना का वीडियो भी सामने आया है। वायरल वीडियो में कैमरा युवक के पीछे-पीछे नदी किनारे तक जाता दिखाई देता है। इस दौरान युवक से उसका नाम पूछा जाता है, जिस पर वह अपना नाम संतोष बताता सुनाई देता है।

हालांकि इसके आगे की जानकारी वीडियो में स्पष्ट नहीं है। मऊ की इस घटना ने एक बार फिर दिखाया कि मुश्किल वक्त में मदद के लिए आगे आने वाले लोग किसी की जिंदगी बचा सकते हैं। समय पर नाविकों की सक्रियता से युवक को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। हालांकि युवक ने ऐसा कदम क्यों उठाया, इसके पीछे की वजह सामने नहीं आई है। ऐसी ही घटना मथुरा में भी सामने आई थी, जहां एक व्यक्ति ने यमुना में छलांग लगाने के बाद मदद के लिए आवाज लगाई थी और लोगों ने समय रहते उसकी जान बचा ली थी।

हापुड़ में वर्चस्व की जंग ने मचाया तांडव

गोलियों के साथ बरसे पत्थर, महिला समेत 3 घायल

यूनिक समय, हापुड़। उत्तर प्रदेश के हापुड़ जिले के बदनोली गांव में शुक्रवार सुबह दो पक्षों के बीच विवाद ने देखते ही देखते हिंसक रूप ले लिया। बच्चों के रास्ते से गुजरने, गाली-गलौज और पुरानी रंजिश को लेकर शुरू हुई कहासुनी के बाद दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए। देखते ही देखते लाठी-डंडे चलने लगे और जमकर पथराव के साथ फायरिंग शुरू हो गई। अचानक हुई इस हिंसा से गांव में अफरा-तफरी मच गई। घटना के वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं, जिनमें पथराव और फायरिंग होती दिखाई दे रही है। इस खूनी संघर्ष में गोली लगने और पत्थरबाजी की चपेट में आने से महिला मुनेश, गोलू और बंटी घायल हो गए। घायलों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। प्रत्यक्षदर्शियों का आरोप है कि दबंग पूर्व ग्राम प्रधान अमरपाल के बेटों और परिजनों ने रास्ते में रोककर गाली-गलौज की और इसके बाद अवैध हथियारों से फायरिंग शुरू कर दी। स्थानीय लोगों के मुताबिक दोनों पक्षों के बीच करीब दो साल से विवाद चल रहा था। बताया जा रहा है कि जिम में हुई कहासुनी और बाद में वर्चस्व को लेकर दोनों पक्षों में तनाव बढ़ता गया। घटना के बाद गांव की सड़कें ईंट-पत्थरों से पट गईं और मौके से कारतूस के खाली खोखे भी मिले। सूचना मिलते ही भारी पुलिस बल गांव में पहुंचा और स्थिति को नियंत्रित किया। हापुड़ एसपी कुंवर ज्ञानंजय सिंह ने बताया कि शुरुआती जांच में रास्ते पर आने-जाने, टसलबाजी और सोशल मीडिया पर हुई पुरानी कहासुनी का मामला सामने आया है। पुलिस ने चार मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। वायरल वीडियो के आधार पर अन्य आरोपियों की पहचान कर उनके खिलाफ भी कार्रवाई की जा रही है।

बहराइच में 25 हजार के इनामी चेन स्नैचर का एनकाउंटर

यूनिक समय, बहराइच। उत्तर प्रदेश के बहराइच में पुलिस ने चेन स्नैचिंग के मामले में वांछित चल रहे 25 हजार रुपये के इनामी बदमाश को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। नानपारा पुलिस और क्राइम ब्रांच की स्वाट टीम की संयुक्त कार्रवाई में बदमाश के बाएं पैर में गोली लगी। पुलिस के मुताबिक घायल बदमाश के पास से चोरी की मोटरसाइकिल, दो मोबाइल फोन, तमंचा और कारतूस बरामद किए गए हैं। घायल आरोपी को इलाज के लिए सीएचसी नानपारा भेजा गया है। मामला मटेरा थाना क्षेत्र में महिला से मंगलसूत्र झपटने से जुड़ा है। पुलिस के अनुसार एक सितंबर को गंगोत्री पत्नी सुरेंद्र, निवासी सुआगाड़ा, लखीमपुर, अपने फूफा के घर से वापस लौट रही थीं। इसी दौरान गुलालपुरवा टोल प्लाजा के पास बाइक सवार दो बदमाशों ने झपट्टा मारकर उनका मंगलसूत्र छीन लिया और मौके से फरार हो गए। घटना के बाद मटेरा थाने में मुकदमा दर्ज किया गया। मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधीक्षक विश्वजीत श्रीवास्तव ने बदमाशों की गिरफ्तारी के लिए तीन पुलिस टीमों का गठन किया। टीमों ने घटनास्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। जांच के दौरान पुलिस को दो संदिग्ध बदमाशों की पहचान हुई। इसके बाद दो-तीन सितंबर की रात स्वाट टीम और मटेरा पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में फुल्ली उर्फ तूफान उर्फ स्कीब को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया गया था। वहीं उसका साथी असलम उर्फ साहिल उर्फ सुहैल मौके का फायदा उठाकर फरार हो गया था। उसकी गिरफ्तारी पर पुलिस ने 25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया था।

7.8% जीडीपी पर मायावती का सरकार पर हमला

यूनिक समय, लखनऊ। बसपा सुप्रीमो मायावती ने चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 7.8 फीसदी जीडीपी विकास दर के सरकारी दावे पर सवाल उठाते हुए केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि महंगाई, गरीबी और बेरोजगारी से परेशान आम जनता के लिए सिर्फ विकास दर के आंकड़े पर्याप्त नहीं हैं। सरकार को बताना चाहिए कि इतनी ऊंची जीडीपी ग्रोथ का वास्तविक लाभ देश की करोड़ों गरीब और मेहनतकश जनता को कितना मिला है। मायावती ने कहा कि यदि विकास दर के आंकड़े सही हैं तो यह अच्छी बात है, लेकिन अगर यह केवल आंकड़ों की बाजीगरी है तो चिंता का विषय है। उनके मुताबिक विकास की असली कसौटी यह होनी चाहिए कि आम लोगों के जीवन में कितना बदलाव आया। उन्होंने कहा कि

बोलीं- 'धनवान सरकार की गरीब जनता'

जीडीपी का फायदा जनता तक नहीं पहुंचा तो करीब 140 करोड़ आबादी 'धनवान सरकार की गरीब जनता' होने का बोझ ढोती रहेगी। मायावती ने गरीबी, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार से मुक्ति को ही वास्तविक विकास बताया।

पति को दूसरी लड़की के साथ देखते ही भड़की पत्नी

बीच सड़क पर जमकर हुई मारपीट, वीडियो वायरल

यूनिक समय, झांसी। झांसी में पति-पत्नी के विवाद का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। मामला मऊरानीपुर बस स्टैंड का बताया जा रहा है, जहां पत्नी ने कथित तौर पर अपने पति को एक दूसरी लड़की के साथ देख लिया।

इसके बाद महिला का गुस्सा सातवें आसमान पर पहुंच गया और उसने मौके पर जमकर हंगामा शुरू कर दिया। देखते ही देखते मामला इतना बढ़ गया कि महिला ने पति के साथ मौजूद लड़की को पकड़ लिया और बीच सड़क पर उसकी पिटाई शुरू कर दी। बताया जा रहा है कि महिला को काफी समय से अपने पति पर शक था।

उसे संदेह था कि पति के किसी दूसरी महिला से संबंध हैं, हालांकि उसके पास इसका कोई पुख्ता सबूत नहीं था। शुक्रवार को मऊरानीपुर बस स्टैंड पर कथित तौर पर पति को एक लड़की के साथ देखकर उसका शक गुस्से में बदल गया। महिला ने दोनों को पकड़ लिया और मौके पर मौजूद लोगों के सामने ही विवाद शुरू हो गया। घटना के दौरान बस स्टैंड पर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। इसी बीच महिला के गुस्से का फायदा उठाकर उसका पति किसी तरह वहां से निकल गया। पति के भागने के बाद भी महिला और दूसरी लड़की के बीच काफी देर तक विवाद और मारपीट होती रही।

आसपास मौजूद लोगों में से किसी ने पूरी घटना का वीडियो बना लिया, जो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में महिला लड़की के साथ मारपीट करती दिखाई दे रही है, जबकि आसपास लोगों की भीड़ खड़ी नजर आ रही है।

वीडियो सामने आने के बाद पुलिस भी मामले की जांच में जुट गई है। पुलिस वायरल वीडियो और घटनाक्रम की जानकारी जुटा रही है। फिलहाल मारपीट की असली वजह क्या थी और दोनों के बीच विवाद किस बात को लेकर हुआ, इसकी पुष्टि जांच पूरी होने के बाद ही हो सकेगी।

मेरठ में नकली सिगरेट का बड़ा खेल बेनकाब

बड़े ब्रांड के नाम पर करोड़ों का माल बरामद

यूनिक समय, मेरठ। उत्तर प्रदेश के मेरठ में पुलिस ने नकली सिगरेट बनाने वाली एक फैक्टरी का भंडाफोड़ कर बड़ा खुलासा किया है। हस्तिनापुर विधानसभा क्षेत्र के दूधली खादर में सरकारी गौशाला के पास पुराने स्कूल भवन के नजदीक यह अवैध फैक्टरी संचालित की जा रही थी। पुलिस की छापेमारी में यहां से करीब डेढ़ करोड़ रुपये कीमत की तैयार नकली सिगरेट बरामद हुई है। इसके अलावा लगभग डेढ़ करोड़ रुपये का कच्चा माल और सिगरेट बनाने वाली मशीनें भी पुलिस के हाथ लगी हैं। आरोप है कि इस फैक्टरी में देश की प्रमुख सिगरेट कंपनी आईटीसी के नाम से अलग-अलग ब्रांड की नकली सिगरेट तैयार की जा रही थीं।

पुलिस के मुताबिक फैक्टरी संचालक रवि किशोर दिल्ली का रहने वाला है। उसके साथियों और चार कर्मचारियों को भी मौके से हिरासत में लिया गया है। फैक्टरी पर छापेमारी सिगरेट कंपनी के मैनेजर रेशू मिश्रा की सूचना के बाद की गई। कंपनी की टीम को जानकारी मिली थी कि हस्तिनापुर से करीब आठ किलोमीटर दूर खादर क्षेत्र में बड़े पैमाने पर नकली सिगरेट तैयार की जा रही है। सूचना के आधार पर पुलिस ने फैक्टरी पर कार्रवाई की और वहां काम कर रहे कर्मचारियों को पकड़ लिया। जांच में सामने आया कि फैक्टरी में गोल्ड फ्लेक, क्लासिक, विल्स नेवी कट, इंडिया किंग्स, इंसिग्निया, सैसर्स, प्लेयर्स और ब्रिस्टल जैसे ब्रांड के नाम से नकली सिगरेट तैयार की जा रही थीं। पुलिस को पूछताछ में यह भी जानकारी मिली कि सिगरेट बनाने का कच्चा माल कंबोडिया से और तंबाकू राजस्थान से मंगाया जाता था। तैयार नकली सिगरेट की सप्लाई सिर्फ उत्तर प्रदेश तक सीमित नहीं थी, बल्कि हरियाणा, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, राजस्थान और दिल्ली तक भेजी जा रही थी। पुलिस की शुरुआती जांच के अनुसार यह अवैध कारोबार करीब छह महीने से चल रहा था। दिन के समय फैक्टरी में बड़ी संख्या में कर्मचारी काम करते थे, जबकि रात में कर्मचारियों की संख्या कम रहती थी। सरकारी गौशाला के पास इस तरह बड़े पैमाने पर उत्पादन चलने के बावजूद लंबे समय तक इसकी भनक नहीं लगी। अब पुलिस इस पूरे नेटवर्क की जांच कर रही है। कच्चा माल कौन सप्लाई करता था, तैयार सिगरेट किन लोगों तक पहुंचाई जाती थी और इस कारोबार में कितने लोग शामिल हैं, इन सभी सवालों के जवाब तलाशे जा रहे हैं। पुलिस को शक है कि इसके पीछे एक बड़ा सिंडिकेट हो सकता है। फिलहाल रवि किशोर और अन्य हिरासत में लिए गए लोगों से पूछताछ जारी है।

80 फीट ऊंचे किले से गिरी महिला और तीन बच्चे

मां समेत दो की मौत, घूमने निकले परिवार पर टूटा कहर

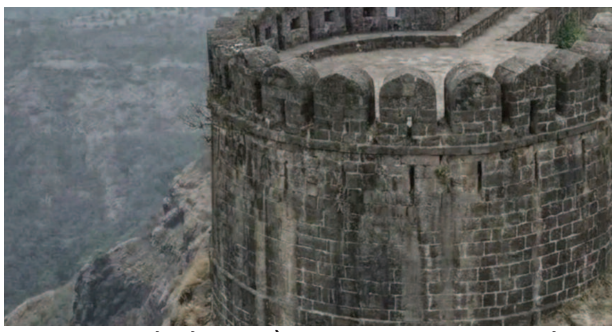

यूनिक समय, नई दिल्ली। महाराष्ट्र के धाराशिव जिले में घूमने के लिए निकले एक परिवार के साथ दर्दनाक हादसा हो गया। यहां मशहूर नलदुर्ग किले के करीब 80 फीट ऊंचे उपली बुर्ज से एक महिला अपने तीन बच्चों के साथ नीचे गिर गई। हादसे में महिला और उसके दो बच्चों की मौत हो गई, जबकि एक बच्ची घायल है और उसका इलाज चल रहा है। घटना के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के मुताबिक, मृतका की पहचान अश्विनी मनोहर पाल के रूप में हुई है। अश्विनी अपने माता-पिता के साथ वंतल गांव में रह रही थीं। वह अपने बेटे अजिंक्य, जिसकी उम्र करीब साढ़े पांच साल थी, और ढाई साल की जुड़वां बेटियों वीरा और क्रांति के साथ नलदुर्ग किला घूमने गई थीं। इसी दौरान किले के ऊपरी हिस्से उपली बुर्ज से चारों नीचे गिर गए। हादसा इतना गंभीर था कि अश्विनी और उनके बेटे अजिंक्य की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं दोनों जुड़वां बच्चियों को घायल अवस्था में धाराशिव सिविल अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टरों ने उनका इलाज शुरू किया, लेकिन क्रांति की हालत गंभीर होने के कारण उसकी भी इलाज के दौरान मौत हो गई। दूसरी बच्ची वीरा का इलाज अभी अस्पताल में चल रहा है। नलदुर्ग किला करीब 105 एकड़ में फैला हुआ है और इसमें 100 से अधिक बुर्ज बताए जाते हैं। इनमें उपली बुर्ज की ऊंचाई करीब 80 फीट है। इतने ऊंचे स्थान से गिरने के कारण हादसे की भयावहता का अंदाजा लगाया जा सकता है। हालांकि चारों लोग किस वजह से बुर्ज से नीचे गिरे, यह अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है।

जानकारी के मुताबिक, अश्विनी पहले महाराष्ट्र सुरक्षा बल में काम करती थीं। उन्होंने करीब चार-पांच महीने पहले अपनी नौकरी से इस्तीफा दिया था। फिलहाल नलदुर्ग पुलिस स्टेशन में दुर्घटनावश मौत का मामला दर्ज किया गया है। पुलिस अधिकारी के अनुसार, अश्विनी और उनके दो बच्चों का अंतिम संस्कार किया जाएगा। इसके बाद पुलिस हादसे की पूरी वजह जानने के लिए जांच को आगे बढ़ाएगी।

नौ दिन सुरंग में कैद रहा शख्स

यूनिक समय, नई दिल्ली। नेपाल में आई बाढ़ के बाद त्रिशूली 3ए हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट की सुरंग में फंसे दो लोगों को 9 दिन बाद सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। इनमें 30 वर्षीय संजय साह भी शामिल हैं, जिन्होंने सुरंग के भीतर बिताए खौफनाक दिनों की आपबीती सुनाई। संजय के मुताबिक, मुश्किल हालात में उन्होंने हिम्मत नहीं हारी और लगातार 'हरे कृष्ण' महामंत्र का जाप करते रहे। खास बात यह रही कि उन्हें कृष्ण जन्माष्टमी के दिन ही रेस्क्यू किया गया।

मधेश प्रांत के सप्तरी जिले के रहने वाले संजय साह नेपाल बिजली प्राधिकरण में कर्मचारी हैं और प्रोजेक्ट में फोरमैन के तौर पर काम करते हैं। हादसे के वक्त वह कंट्रोल रूम में मौजूद थे। उन्होंने बताया कि जैसे ही बाढ़ का पानी तेजी से सुरंग में घुसा, उन्होंने वहां मौजूद लोगों से बाहर निकलने के लिए कहा। हालांकि, दूसरों को सुरक्षित बाहर भेजने की कोशिश में वह खुद अंदर फंस गए और बाद में

'हरे कृष्ण' का जाप करता रहा, जन्माष्टमी पर ऐसे बची जान

उनके लिए बाहर निकलना संभव नहीं रहा। संजय ने बताया कि सुरंग में फंसे रहने के दौरान वह पिछले नौ दिनों से 'हरे कृष्ण' मंत्र का जाप कर रहे थे। उन्हें उम्मीद थी कि किसी न किसी तरह बचाव दल उन तक जरूर पहुंचेगा। बाहर आने के बाद उन्होंने यह भी बताया कि सुरंग के अंदर उन्हें तीन-चार लोगों की आवाजें सुनाई दी थीं। उनका कहना है कि तेज बहाव के कारण कुछ लोग सुरंग के और भीतर चले गए होंगे। नेपाल सेना के नेतृत्व में अब भी सुरंग में फंसे अन्य लोगों की तलाश जारी है। वहीं, बचाए गए संजय की हालत स्थिर बताई गई है। 45 वर्षीय कबीर महर्जन को भी सुरक्षित निकाला गया, लेकिन स्वास्थ्य संबंधी परेशानी के चलते उन्हें एयरलिफ्ट कर काठमांडू के नेपाल सेना अस्पताल ले जाया गया।

गांजा पकड़ने पहुंची पुलिस के उड़ गए होश

किराए के मकान में मिला नोटों का पहाड़ करीब 1 क्विंटल नशे का माल भी बरामद

यूनिक समय, नई दिल्ली। ओडिशा के पुरी जिले में गांजे के खिलाफ कार्रवाई करने पहुंची पुलिस को छापेमारी के दौरान ऐसा नजारा देखने को मिला, जिसने अधिकारियों को भी हैरान कर दिया। गोपालपुर गांव में एक किराए के मकान पर पुलिस ने गांजा बरामद करने के लिए दबिश दी थी, लेकिन तलाशी के दौरान वहां नोटों के बंडलों का बड़ा जखीरा मिल गया। पुलिस को करीब एक क्विंटल गांजा भी बरामद हुआ है। नकदी इतनी ज्यादा थी कि उसे गिनने के दौरान कैश काउंटिंग मशीन भी लगातार चलाने के बाद थकती नजर आई। पुलिस को सूचना मिली थी कि फार्मेसी कॉलेज के पास ठेकेदार चंद्रध्वज पात्र के मकान को किराए पर लेकर दो लोग गांजे से जुड़ी गतिविधियां चला रहे हैं। विशेष सूत्र से मिली जानकारी के आधार पर पेंठकटा पुलिस ने शुक्रवार को इस मकान पर छापेमारी की। तलाशी के दौरान पुलिस को करीब 176 पैकेट में गांजा मिला। इसकी कुल मात्रा लगभग एक क्विंटल बताई जा रही है। पुलिस के मुताबिक, गांजे को अलग-अलग पैकेट में पैक करके सप्लाई किया जाता था। जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपियों ने अलग-अलग स्थानों पर गांजा रखने के लिए कथित तौर पर डिपो बना रखे थे। हालांकि, इस पूरे नेटवर्क में और कौन-कौन लोग शामिल हैं और गांजे की सप्लाई कहां से होती थी, इसकी जानकारी जुटाई जा रही है। छापेमारी के दौरान पुलिस को बड़ी मात्रा में नकदी भी मिली। शुरुआती जानकारी में बरामद कैश की कीमत करोड़ों रुपये बताई जा रही है, हालांकि पुलिस ने अभी इसकी सटीक राशि का खुलासा नहीं किया है। यह पैसा कहां से आया और इसका गांजे के कथित कारोबार से क्या संबंध है, पुलिस इसकी जांच कर रही है। पुलिस ने कार्रवाई के दौरान कार्तिकेश्वर सामंतराय और देवेंद्र साहू नाम के दो लोगों को हिरासत में लिया है। दोनों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि आरोपी गांजा कहां से मंगाते थे, किन इलाकों में इसकी सप्लाई करते थे और बरामद नकदी उनके कथित नशीले पदार्थों के कारोबार से जुड़ी है या नहीं। पुरी के एसपी प्रतीक सिंह के मुताबिक, पुलिस को जानकारी मिली थी कि दोनों आरोपी किराए के मकान का इस्तेमाल गांजे से संबंधित गतिविधियों के लिए कर रहे हैं। पुलिस को यह भी पता चला है कि दोनों के खिलाफ पहले नशीली दवाओं से जुड़ी गतिविधियों में शामिल होने के रिकॉर्ड होने की जानकारी है। फिलहाल बरामद गांजा और नकदी को लेकर जांच आगे बढ़ाई जा रही है और पूरे नेटवर्क का पता लगाने की कोशिश जारी है।

जंतर-मंतर मारपीट केस में स्वतंत्र भारद्वाज हिरासत में

यूनिक समय, नई दिल्ली। जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के दौरान सीजेपी एक्टिविस्ट निशु आजाद के पिता संजय कुमार के साथ मारपीट के मामले में दिल्ली पुलिस ने स्वतंत्र भारद्वाज को उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर से हिरासत में लिया है। भारद्वाज पर आरोप है कि उसने प्रदर्शन के दौरान संजय कुमार के साथ मारपीट की थी। उसकी गिरफ्तारी की मांग को लेकर कॉकरोच जनता पार्टी के नेताओं ने शुक्रवार को दिल्ली के पार्लियामेंट स्ट्रीट थाने के बाहर प्रदर्शन भी किया था।

प्रदर्शन के दौरान पार्टी प्रतिनिधियों ने दावा किया था कि दिल्ली पुलिस ने आरोपी को 72 घंटे के भीतर गिरफ्तार करने का भरोसा दिया है। पुलिस ने इस मामले में दर्ज एफआईआर में एससी-एसटी एक्ट की धाराएं भी जोड़ी हैं। इसके कुछ ही घंटे बाद दिल्ली पुलिस की टीम आरोपी की तलाश में बुलंदशहर पहुंची, लेकिन पुलिस के पहुंचने से पहले ही वह वहां से निकल चुका था। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, स्वतंत्र भारद्वाज नैथला गांव से मोटरसाइकिल पर खुर्जा की तरफ गया था। पहचान छिपाने के लिए उसने हेलमेट पहन रखा था। आरोपी की तलाश के लिए सादे कपड़ों में पुलिस की कई टीमें लगाई गईं। पुलिस ने स्थानीय स्तर पर भी पूछताछ की और काफी मशक्कत के बाद उसे हिरासत में लेने में कामयाबी हासिल की।

चिराग पासवान बोले 'मेरे नाम का गलत इस्तेमाल हुआ'

इस मामले में स्वतंत्र भारद्वाज ने खुद पर लगे आरोपों को लेकर सफाई भी दी थी। उसका कहना था कि जंतर-मंतर पर हुई घटना में उसने आत्मरक्षा में कार्रवाई की। भारद्वाज ने दावा किया कि अगर उसने ऐसा नहीं किया होता तो भीड़ उसकी पिटाई कर सकती थी और उसकी जान को खतरा हो सकता था। वहीं, एक पॉडकास्ट क्लिप सामने आने के बाद मामला और चर्चा में आ गया। रिपोर्ट के मुताबिक, इस इंटरव्यू में भारद्वाज संजय कुमार के साथ मारपीट करने की बात स्वीकार करता हुआ दिखाई दिया। उस पर आरोप है कि मारपीट में संजय कुमार के सिर पर गंभीर चोट आई थी। इसके बाद सीजेपी की ओर से दिल्ली पुलिस पर पर्याप्त कार्रवाई नहीं करने के आरोप लगाए गए थे। इसी बीच केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने भी इस मामले पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि उनके नाम का गलत इस्तेमाल किया गया है और वह स्वतंत्र भारद्वाज को नहीं जानते। चिराग ने कहा कि उनकी पार्टी निशु आजाद के परिवार के साथ खड़ी है और उन्होंने मामले की शिकायत भी की है। साथ ही उन्होंने दिल्ली पुलिस से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है।

नेपाल में तबाही के बीच 600 बच्चों का सुराग नहीं

मलबे में दिन-रात जिंदगी तलाश रहे जवान, 10वें दिन मिला 'चमत्कार'

यूनिक समय, नई दिल्ली। नेपाल में 26 अगस्त को आई विनाशकारी बाढ़ और भूस्खलन के बाद हालात बेहद भयावह बने हुए हैं। आपदा के 10वें दिन भी सेना और बचाव दल दिन-रात मलबे में जिंदगी तलाश रहे हैं। रसुवा से लेकर नुवाकोट तक प्रभावित इलाकों में बड़े पैमाने पर सर्च एंड रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया जा रहा है। इस बीच सामने आई जानकारी ने चिंता और बढ़ा दी है। रसुवा और नुवाकोट जिलों में करीब 600 बच्चे अब भी लापता बताए जा रहे हैं। स्थानीय सरकारों और शैक्षणिक संस्थानों से जुटाए गए आंकड़ों के मुताबिक, रसुवा में करीब 280 बच्चों का पता नहीं चल पाया है। वहीं नुवाकोट में लगभग 300 से 350 बच्चे लापता बताए जा रहे हैं। अधिकारियों के अनुसार, कुछ छात्रों की तलाश पूरी हो चुकी है, लेकिन नुवाकोट में अभी भी कम से कम 300 छात्रों के लापता होने की जानकारी है। इसके अलावा रसुवा में 16 शिक्षक और नुवाकोट में छह शिक्षक भी लापता बताए जा रहे हैं। नेपाल के शिक्षा मंत्रालय के मुताबिक, बाढ़ और उससे हुई तबाही से रसुवा, नुवाकोट और धादिंग में कुल 22 स्कूल प्रभावित हुए थे। इनमें 12 स्कूल पूरी तरह तबाह हो गए। ऐसे में बच्चों और शिक्षकों के लापता होने की खबर ने परिवारों की चिंता और बढ़ा दी है। इस भीषण आपदा में अब तक 1,282 लोगों की मौत की जानकारी सामने आई है, जबकि करीब 5 हजार लापता लोगों की तलाश जारी है। राहत और बचाव दल अब तक 12 हजार से अधिक लोगों को सुरक्षित निकाल चुके हैं। इसके बावजूद सेना के सामने सबसे बड़ी चुनौती हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट की सुरंगों में फंसे कर्मचारियों तक पहुंचना है। इन सुरंगों में भारी मात्रा में मलबा और कीचड़ जमा है, जिससे बचाव अभियान बेहद मुश्किल हो गया है। इसी बीच शुक्रवार को राहत की एक बड़ी खबर सामने आई। त्रिशूली पावर प्रोजेक्ट की सुरंग से दो लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। आपदा के कई दिनों बाद उनकी जिंदगी बचाने में सफलता मिलने से बचाव दल का हौसला बढ़ा है। सेना के जवान अब सुरंगों से लगातार मलबा हटाकर अंदर फंसे अन्य लोगों तक पहुंचने की कोशिश कर रहे हैं। उम्मीद है कि इस मुश्किल घड़ी में मलबे के बीच से और भी जिंदगियां सुरक्षित बाहर आएंगी।

हाथी-घोड़ा, पालकी, जय कन्हैया लाल की...

जय कन्हैया लाल की... शुक्रवार को श्रीकृष्ण जन्मस्थान में दर्शन से पहले हाथ उठाकर जय कन्हैया लाल की बोलते श्रद्धालु।

जन्माष्टमी पर्व पर श्रीकृष्ण जन्मस्थान में दर्शन के लिए जाने को गेट नंबर तीन पर मौजूद श्रद्धालुओं की भीड़।

श्रीकृष्ण जन्मस्थान में प्रवेश से पहले गेट नंबर तीन पर श्रद्धालु की तलाशी लेता पुलिसकर्मी।

श्रीकृष्ण जन्मस्थान के भागवत भवन मंदिर में राधा-कृष्ण की आरती करते मुख्यमंत्री।

पांडाल में सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करते कलाकार।

जन्माष्टमी पर्व पर श्रीकृष्ण जन्मभूमि के अंदर दर्शन को लाइन में लगे श्रद्धालु।

मुख्यमंत्री के काफिले को निकालने के लिए भूतेश्वर चौराहे पर रोके गए लोग।

शुक्रवार को श्रीकृष्ण जन्मस्थान के भागवत भवन मंदिर में दर्शन को उमड़े श्रद्धालु।

मुख्यमंत्री के जन्मस्थान आने से पहले भूतेश्वर चौराहे पर तैनात पुलिसकर्मी।

भूतेश्वर चौराहे पर काफिला आने पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का अभिवादन करते लोग।